रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शुक्रवार
15 मई -2026
वर्ष 10, अंक 250
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

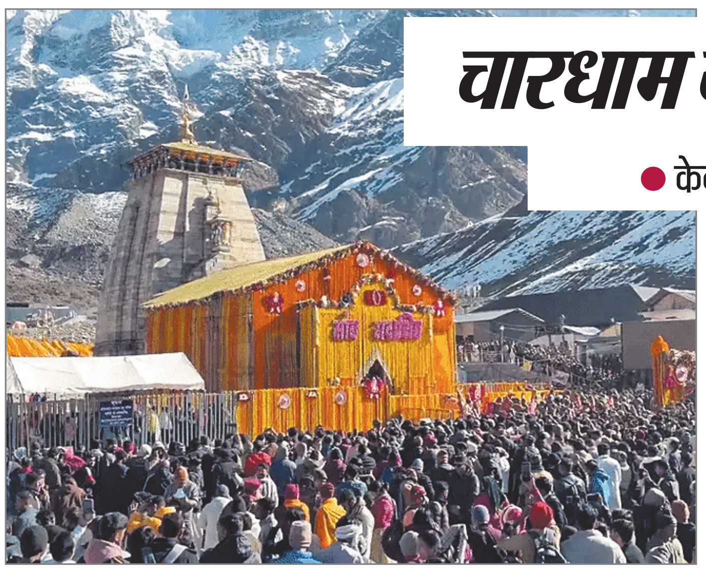

चारधाम यात्रा में 25 दिनों में 40 श्रद्धालुओं की मौत

● केदारनाथ में सबसे ज्यादा 22 की जान गई ● बद्रीनाथ में 7, गंगोत्री-यमुनोत्री में भी बढ़ा आंकड़ा

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार रिकॉर्ड बना रही है। 19 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा में 13 मई तक 12 लाख 64 हजार 217 श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं। लेकिन दूसरी ओर यात्रा के दौरान मौतों का आंकड़ा भी लगातार बढ़ रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की 14 मई सुबह 10 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार अब तक चारधाम यात्रा में 40 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा 22 मौतें केदारनाथ धाम में दर्ज की गई हैं। वहीं बद्रीनाथ में 7, यमुनोत्री में 6 और गंगोत्री में 5 श्रद्धालुओं की जान गई है।सरकार लगातार बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और मेडिकल तैयारियों का दावा कर रही है, लेकिन लगातार बढ़ते मौत के आंकड़े यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य चुनौतियों और हाई एल्टीट्यूड से जुड़ी परेशानियों की गंभीरता भी दिखा रहे हैं।

मौतों के पीछे हाई एल्टीट्यूड, हार्ट अटैक और पुरानी बीमारियां– स्वास्थ्य विभाग के अनुसार चारधाम यात्रा में अब तक हुई अधिकांश मौतें स्वास्थ्य खराब होने, हार्ट अटैक और हाई एल्टीट्यूड सिकनेस जैसी समस्याओं के कारण हुई हैं ।यात्रा मार्ग ऊंचाई वाले क्षेत्रों से होकर गुजरता है, जहां ऑक्सीजन का स्तर कम होने और लगातार चढ़ाई की वजह से बुजुर्गों और पहले से बीमार यात्रियों की तबीयत बिगड़ने के मामले सामने आ रहे हैं।

यात्रा से पहले जारी की गई थी एडवाइजरी– चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले सरकार ने कई समीक्षा बैठकें की थीं। सभी विभागों को यात्रा शुरू होने से पहले तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। सरकार का दावा है कि यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सेवाओं, डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

स्वास्थ्य मंत्री बोले-

अति उत्साह भारी पड़ रहा– प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सुबोध उनियाल ने कहा कि कई यात्री शरीर के संकेतों को नजरअंदाज कर तेजी से यात्रा पूरी करने की कोशिश करते हैं। इससे हार्ट अटैक और हाई एल्टीट्यूड की समस्या बढ़ जाती है।

47 अस्पताल और 400 डॉक्टर तैनात

स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार यात्रा मार्ग पर 47 अस्पताल बनाए गए हैं। इसके अलावा करीब 2820 स्वास्थ्य कर्मियों और 400 डॉक्टरों को अलग–अलग पड़ावों पर तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि पहली बार दून मेडिकल कॉलेज और श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में 180 डॉक्टरों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इन्हें हाई एल्टीट्यूड सिकनेस, हाइपरटेंशन और शुगर मरीजों के उपचार की ट्रेनिंग दी गई है। बद्रीनाथ और केदारनाथ में अस्पताल शुरू करने की दिशा में भी काम चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा ऐलान

दिल्ली के सरकारी दफ्तरों में सप्ताह में 2 दिन रहेगा वर्क फ्रॉम होम

नई दिल्ली(एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हाई लेवल बैठक की। प्रधानमंत्री की अपील को लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने सरकार के सभी मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में फैसला किया। सीएम रेखा गुप्ता ने बैठक में फैसला लिया है कि दिल्ली के सभी सरकारी दफ्तरों में दो दिन वर्क फॉर्म होम रहेगा। प्राइवेट कंपनियों को भी हफ्ते में दो दिन

वर्क फॉर्म होम के लिए कहा जाएगा। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह मानते हुए अपने काफिले में 60 प्रतिशत की कटौती की है। सीएम के काफिले में अब सिर्फ चार गाड़ियां हैं, जिनमें से 2 ईवी हैं।

मंत्रियों के वाहनों में कटौती – मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सभी मंत्रियों के वाहनों में कटौती की गई है। जहां पर संभव होगा हम लोग सार्वजनिक वाहन का भी उपयोग करेंगे। जिनका 200 लीटर पेट्रोल की लिमिट थी, उनके लिए 160 लीटर होगी। जिन्हें ढाई सो लीटर पेट्रोल मिलता था, उन्हें अब 200 लीटर दिया जाएगा।

दफ्तरों का समय भी बदला– हर सोमवार को अधिकारी और कर्मचारी जितना संभव होगा, मेट्रो का उपयोग करेंगे। कार्यालय का समय बदल गया है। दिल्ली सरकार के कार्यालय का समय अब 10 :30 से शाम सात बजे तक रहेगा। दिल्ली नगर निगम के सभी कार्यालय सुबह 8 :30 बजे से शाम साढ़े 5 :00 बजे तक काम करेंगे।

पश्चिम बंगाल के स्कूलों में 'वंदे मातरम्' अनिवार्य, प्रार्थना सभा में गाया जाएगा राष्ट्रीय गीत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के सभी सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में अब प्रार्थना सभा के दौरान 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य होगा। स्कूलों को निर्देश जारी किए गए हैं कि छात्र–छात्राएं नियमित रूप से राष्ट्रीय गीत का गाएंगे। इससे बच्चों में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत होगी। राज्य भर के सभी स्कूलों में कक्षाओं की शुरुआत से पहले 'वंदे मातरम' को प्रार्थना गीत के रूप में शुरू किया जाएगा। इससे पहले राज्य के

स्कूलों में पारंपरिक रूप से केवल राष्ट्रगान 'जन गण मन' ही गाया जाता था। 'वंदे मातरम्' भारत का राष्ट्रीय गीत है, जिसे प्रसिद्ध लेखक बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने लिखा था।

18 मई से लागू किया जाएगा नियम

पश्चिम बंगाल शिक्षा विभाग ने इस फैसले को लेकर सभी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं। अब राज्य के सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य होगा। यह नियम 18 मई (सोमवार) से लागू किया जाएगा। साथ ही निजी स्कूलों से भी राष्ट्रीय गीत को प्रार्थना सभा में शामिल करने की अपील की गई है।

रिकॉर्डिंग करने के भी दिए गए निर्देश– रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्कूलों के प्रिंसिपल और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सुबह की प्रार्थना सभा में सभी छात्र–छात्राएं राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के गायन में शामिल हों। इसके साथ ही कुछ स्कूलों से कहा गया है कि नियम के पालन को सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग भी सुरक्षित रखें। राज्य सरकार ने साफ किया है कि स्कूलों में इस आदेश का पालन अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

उप्र में आंधी-तूफान का खौफनाक कहर

104 लोगों की मौत

● 80 किमी की आंधी में युवक उड़ा ● राजस्थान में गर्मी का रेड अलर्ट, मप्र भी हीटवेव की चपेट में

लखनऊ/भोपाल/जयपुर/पटना (एजेंसी)। देश में दो तरह का मौसम देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज-अयोध्या समेत 30 जिलों में आंधी-तूफान के कारण 104 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में हुईं।

यहां 80 किमी की रफ्तार से आंधी चली, बरेली में एक युवक टीनशेड समेत हवा में उड़ गया। राज्य के बांदा शहर में तापमान 45.4 डिग्री रहा। आज 51 जिलों में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है।

जैसलमेर देश का सबसे गर्म शहर – राजस्थान में भी तेज गर्मी और हीटवेव का असर है। बुधवार को लगातार चौथे दिन राज्य का जैसलमेर देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां 46.1 डिग्री तापमान रहा। मौसम

विभाग के मुताबिक आज आज बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर में तेज गर्मी का रेड अलर्ट है। 13 जिलों में हीटवेव की चेतावनी है।

मप्र खजुराहो में तापमान 45.4 डिग्री – वहीं, मध्य प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों में हीटवेव चल रही है, जो 18 मई तक जारी रह सकती है। बुधवार को खजुराहो में तापमान 45.4 डिग्री रहा। आज इंदौर, उज्जैन, धार और रतलाम में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में वार्म नाइट का भी अलर्ट है। इधर, हरियाणा के अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटे में 1.1 डिग्री बढ़ोतरी हुई।

नन्हे मियां,जिन्हें आंधी 50 फीट तक उड़ाकर ले गई, होश में आते ही बताई आपबीती

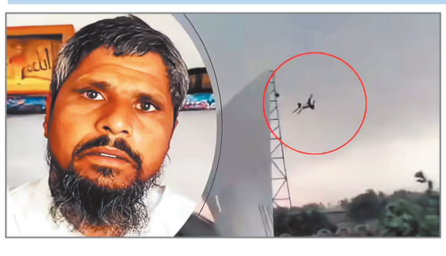

उत्तर प्रदेश में अलग–अलग जिलों में तेज हवाओं, बिजली गिरने और तूफान की वजह से अभी तक 104 लोगों की मौत की खबर है। वहीं, करीब 53 लोग घायल बताए जा रहे हैं। तबाही के इस मंजर के बीच यूपी के बरेली से एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स बारातघर के टीनशेड के पोल को पकड़कर खड़ा था कि तभी हवा का एक बहुत तेज झोंका आया और शख्स को करीब 50 फीट ऊपर उछालकर खेतों में पटक दिया। घटना में शख्स के हाथ–पैर टूट गए और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बरेली का वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में शेयर किया गया। वीडियो देखकर लोगों को यकीन ही नहीं हुआ कि हवा का झोंका इतना जबरदस्त हो सकता है कि वो किसी इंसान को इतनी ऊंचाई तक उड़ा ले जाए। लेकिन, अब वही शख्स सामने आया है और उसने बताया है कि उसके साथ आखिर क्या हुआ था। शख्स का नाम नन्हे मियां पुत्र वहीद अंसारी है।

गाउन पहन हाईकोर्ट पहुंचीं ममता बाहर गूंजा 'चोर-चोर' का नारा

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

सुत्रो से पता चला कि कोलकाता हाईकोर्ट में चुनाव बाद हिंसा मामले की सुनवाई के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री Mamata Banerjee खुद वकील की पोशाक पहनकर पैरवी करने पहुंचीं। कालीघाट स्थित घर से वकीली ड्रेस में निकलीं ममता ने अदालत में तृणमूल कार्यकर्ताओं पर हमले, पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ और बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ दलीलें दीं।

ममता ने अदालत में कहा कि वह 1985 से वकालत कर रही हैं और उसी अधिकार से बहस करना चाहती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जातियों को धमकियां दी जा रही हैं, लोगों को घरों से निकाला जा रहा है और प्रशासन शिकायतों पर कार्रवाई नहीं कर रहा।

लेकिन सुनवाई खत्म होते ही हाईकोर्ट परिसर का माहौल गरमा गया। अदालत से बाहर निकलते समय कुछ वकीलों और लोगों ने ममता को देखकर 'चोर-चोर' के नारे लगाने शुरू कर दिए। भारी भीड़ और हंगामे के बीच किसी तरह उन्हें गाड़ी तक पहुंचाया गया।

ममता और Kalyan Banerjee ने मुख्य न्यायाधीश Sujay Paul से शिकायत करते हुए कहा कि बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। इसके बाद अदालत ने स्थिति सामान्य बनाए रखने की अपील की।

उधर ममता काला कोट पहन कोर्ट पहुंचीं, इधर बार काउंसिल ने मंगा ली वकालत की पूरी 'कुंडली'!

बार कॉउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) ने स्टेट बार कॉउन्सिल से पूछा है कि क्या ममता बनर्जी किसी केस में वकील के तौर पर जिरह करने की हक़दार हैं? इस सवाल का जवाब दो दिन में पश्चिम बंगाल राज्य बार कॉउन्सिल को देना है.

सीएम थलपति विजय ने तमिलनाडु के सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों को दिया तोहफा

महंगाई भत्ता 2 प्रतिशत बढ़ाया

चेन्नई (एजेंसी)। सीएम थलपति विजय की अगुवाई वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने तमिलनाडु के सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों को बड़ा तोहफा दिया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसफ विजय ने गुरुवार को सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की। एक आधिकारिक प्रेस रिलीज के अनुसार, इस संशोधन के साथ महंगाई भत्ता (डीए) 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगा। यह इजाफा एक जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से राज्य सरकार पर सालाना 1,230 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा।

पश्चिम बंगाल के सरकारी दफ्तरों में समय पालन पर सख्ती, नए मुख्यमंत्री का बड़ा आदेश

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

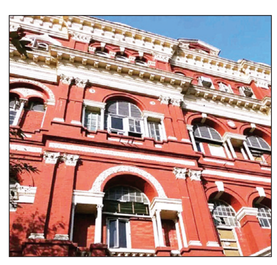

कलकत्ता। पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सरकारी कार्यालयों में समय पालन को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। अब सभी सरकारी कर्मचारियों को सुबह 10:15 बजे तक ऑफिस पहुंचना अनिवार्य होगा, जबकि शाम 5:15 बजे से पहले कार्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।रिपोर्ट के अनुसार, लंबे समय से सरकारी दफ्तरों में देर से आने और समय से पहले निकलने की शिकायतें मिल रही थीं। नई सरकार ने कार्य संस्कृति सुधारने के उद्देश्य से यह सख्ती लागू की है। बुधवार को कई सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों को समय से पहले पहुंचते देखा गया।

कई सरकारी कर्मचारियों ने इस फैसले का स्वागत किया है। कर्मचारियों का कहना है कि इससे कामकाज में अनुशासन आएगा और आम लोगों को बेहतर सेवा मिल सकेगी। कुछ कर्मचारियों ने इसे 'जरूरी बदलाव' बताया।

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) - चरण III: 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से आयोजित किया जाएगा

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

1. भारत निर्वाचन आयोग ने अनुबंध-I के अनुसार 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों (UTs) में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) आयोजित करने का निर्देश दिया है।

2. SIR चरण-III की समय-सारणी जनगणना के चल रहे मकान सूचीकरण (house listing) के साथ साझा क्षेत्रीय मशीनरी (common field machiner4) को ध्यान में रखते हुए तय की गई है।

3. इसके साथ ही, निर्वाचन नामावली का SIR चरण-III में हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख को छोड़कर पूरे देश को कवर करेगा। इन तीनों

राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में जनगणना के दूसरे चरण की समाप्ति और ऊपरी इलाकों/बर्फबारी वाले क्षेत्रों में मौसम की स्थिति पर विचार करने के बाद, इनके लिए SIR कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी।

4. SIR चरण-III के दौरान, 3.94 लाख से अधिक बूथ स्तर के अधिकारी (BLOs) गणना चरण के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 3.42 लाख बूथ स्तर के एजेंटों (BLAs) की सहायता से 36.73 करोड़ मतदाताओं के घर-घर जाएंगे। BLOs और क्ख्य का राज्य/केंद्र शासित प्रदेश वार विवरण अनुबंध-द्वद्व में दिया गया है।

5. SIR एक सहभागी अभ्यास है जिसमें मतदाताओं, राजनीतिक दलों और चुनाव अधिकारियों सहित सभी हितधारक शामिल हैं। चुनाव आयोग सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध करता है कि वे प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए BLAs की नियुक्ति करें, ताकि राजनीतिक दलों की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो सके और स्ढ्क्रपूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो।

6. SIR के पहले दो चरणों में 13 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में, जहां संबंधित राज्यों में SIR के आदेश की तिथि तक लगभग 59 करोड़ मतदाता शामिल थे, स्ढ्क्र प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में 6.3 लाख से अधिक क्ख्ह्य और राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 9.2 लाख BLAs शामिल थे।

दिल्ली-महाराष्ट्र समेत

16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने देश के 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तीसरे चरण की शुरुआत करने की घोषणा कर दी है। इस महाअभियान के तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मतदाताओं के घर-घर जाकर उनसे सीधा संपर्क करेंगे।

चुनाव आयोग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरा देश इसके दायरे में आ जाएगा। चुनाव आयोग ने बताया कि एसआईआर के तीसरे चरण का शेड्यूल, जनगणना के तहत चल रही हाउस लिस्टिंग के साथ-साथ काम करने वाली कॉमन फील्ड मशीनरी को ध्यान में रखकर तय किया गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, एसआईआर के तीसरे चरण के दौरान 3.94 लाख से ज्यादा बूथ लेवल अधिकारी 36.73 करोड़ वोटरों के घर-घर जाकर संपर्क करेंगे।

अब इन राज्यों में होगा एसआईआर का काम– जिन राज्यों में एसआईआर का काम शुरू होने जा रहा है, उसमें ओड़िशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, दमन दीव, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली, नागालैंड और त्रिपुरा शामिल है।

इन राज्यों की मतदाता सूची होगी जारी

16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का काम 01 जुलाई 2026 से शुरू किया जाएगी।

दादर नागर और दमन दीव की अंतिम मतदाता सूची 11 सितंबर 2026 को जारी की जाएगी।

उड़ीसा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर की अंतिम मतदाता सूची 06 सितंबर 2026 को जारी की जाएगी।

उत्तराखंड में अंतिम मतदाता सूची 15 सितंबर को जारी होगी।

आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ा में अंतिम 22 सितंबर 2026 को जारी होगी।

तेलंगाना और पंजाब में अंतिम मतदाता सूची 1 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली की अंतिम मतदाता सूची 07 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

वहीं, नागालैंड, की अंतिम मतदाता सूची 22 नवंबर और त्रिपुरी की अंतिम मतदाता सूची 23 दिसंबर 2026 को जारी की जाएगी।

13 राज्यों में हो चुका है एसआईआर का काम।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा

रांची, एजेंसी। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार झारखंड के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम आज यानी गुरुवार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से जमानत पर बाहर हुए। आलमगीर आलम को प्रवर्तन निदेशालय ने मई 2024 को गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार सुबह मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे झारखंड के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम और उनके पीए संजीव लाल को बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी थी। झारखंड हाईकोर्ट द्वारा पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और उनके पीए संजीव लाल की जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुनवाई के दौरान आलमगीर आलम की ओर से दलील दी गई कि इस मामले में उनके खिलाफ कोई प्रत्यक्ष आरोप नहीं है। न ही उनके यहां से किसी तरह की नकदी बरामद हुई है। ऐसे में उन्हें राहत मिलनी चाहिए। इसके अलावा पूर्व मंत्री के वकीलों ने उनकी बीमारी का भी हवाला देते हुए को जमानत की गुहार लगाई। ईडी ने आलमगीर आलम को 15 मई 2024 को टेंडर कमीशन घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था।

धनबाद में पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़, तेल की किल्लत की अफवाह से बिगड़े हालात

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के धनबाद जिले के बाघमारा क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत होने की अफवाह फैलते ही आज सुबह से ही पेट्रोल पंपों पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तेल लेने के लिए लोगों की लंबी लाइन लग गई, जिससे कई जगहों पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। गुरुवार तड़के से ही दोपहिया और चार पहिया वाहनों की लाइनें सड़कों तक पहुंच गईं। स्थानीय लोगों में इस बात का डर था कि आने वाले दिनों में तेल मिलना पूरी तरह बंद हो जाएगा। इस आपाधापी में लोग घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा ऑनलाइन पेमेंट न लेना और संचालकों द्वारा सिर्फ नकद की मांग से ग्राहकों का गुस्सा फूट पड़ा। कई लोगों के पास नकद राशि न होने के कारण पंप कर्मियों के साथ तीखी बहस और धक्का-मुक्की भी हुई। भीड़ को कंट्रोल करने और स्टॉक बचाने के लिए कई पेट्रोल पंपों ने तेल की बिक्री पर सीमा लगा दी है। फिलहाल प्रति व्यक्ति एक लीटर से ज्यादा पेट्रोल नहीं दिया जा रहा है, जिससे लंबी दूरी तय करने वाले चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अलग-अलग पेट्रोल पंपों पर बढ़ते हो-हंगामे और बिगड़ती कानून व्यवस्था को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने पुलिस बल तैनात कर दिया है। पुलिसकर्मियों को लाइन व्यवस्थित करने और लोगों को शांत कराने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

धनबाद में व्यवसायी के घर बम फेंके जाने से सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के धनबाद जिले में एक व्यवसायी के घर पर अज्ञात अपराधियों द्वारा बम फेंके जाने की घटना का मामला सामने आया है। सरायढेला स्थित स्टील गेट के पास गुरु कृपा के सामने रहने वाले व्यवसायी रितेश अग्रवाल के घर पर बम फेंका गया। घटना परसों यानी मंगलवार सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है। घटना होंडा शोरूम और कचर रेसिंग सेंटर के उसी कैंपस की बताई जा रही है, जहां रितेश अग्रवाल अपने परिवार के साथ रहते हैं रितेश अग्रवाल के पिता का नाम सुरेंद्र अग्रवाल बताया गया है। जानकारी के अनुसार, रात में फेंके गए दोनों बम फटे नहीं, लेकिन सुबह लोगों की नजर पड़ते ही इलाके में अफरातफरी और दहशत का माहौल बन गया। इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सरायढेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा बम निरोधक टीम को भी सूचना दिए जाने की बात कही जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बम किस उद्देश्य से फेंके गए और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। घटना के बाद आसपास के व्यवसायियों और स्थानीय लोगों में भय का माहौल है।

सरायकेला-खरसावां में जंगली हाथी ने तोड़ा घर, एक महिला हुई घायल

सरायकेला, एजेंसी। झारखंड के सरायकेला खरसावां जिले में हाथियों का कहर बढ़ता जा रहा है। चांडिल अनुमंडल में जंगली हाथियों का उत्पात जारी है। हाथियों का झुंड रात होते ही जंगलों से निकलकर गांवों में घुस रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाथी गांव मे घुस रहे हैं जिससे जान माल का नुकसान हो रहा है। जंगली हाथियों ने बीती रात कुकड़ू प्रखंड के ईचाडीह पंचायत अंतर्गत आदरडीह चौका गांव मे घुस कर एक घर को तोड़ दिया। हाथी के इस हमले में राहत की बात ये रही कि घर के अंदर सोए परिवार के सदस्य बाल बाल बच गए। ग्रामीणों ने बताया कि रात लगभग 10 ।30 बजे हाथी ने गुरुपद गोप के घर को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। गुरुपद गोप अपना परिवार को लेकर घर के अंदर सोए हुए थे। जैसे ही हाथी ने घर को तोड़ना शुरू किया तब गुरुपद गोप ने सजगता से अपनी पत्नी, विवाहित बेटी और छोटे छोटे बच्चों को भी बचा लिया।

वनोत्पाद से बढ़ेगा स्वरोजगार, रुकेगा पलायन

लापुंग को लाह उत्पादन हब के रूप में विकसित करने का प्लान

रांची, एजेंसी। राजधानी के लापुंग प्रखंड में सिदो-कान्हू कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड क्षेत्रीय लाह खेती प्रशिक्षण एवं टूलकिट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित वैज्ञानिक पद्धति आधारित एक दिवसीय क्षेत्रीय लाह खेती प्रशिक्षण एवं टूलकिट वितरण कार्यक्रम में राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

कार्यक्रम के दौरान प्रखंड की मालगो, बोकरोन्दा एवं ककरिया पंचायतों के कुल 377 किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से लाह खेती का प्रशिक्षण दिया गया और उनके बीच आवश्यक टूलकिट का वितरण किया गया। इस दौरान कृषि मंत्री ने घोषणा की कि आगामी जून, जुलाई माह में प्रत्येक किसान को 5-5 किलो कुसुमी एवं रंगीनी लाह बीहन शत प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराई जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक संसाधनों एवं वनोत्पादों से समृद्ध राज्य है। यहां लाह, इमली, चिरौंजी, महुआ, मधु, करंज बीज, कुसुम बीज, साल बीज, हरड़ा बहेड़ा, आंवला तथा विभिन्न औषधीय पौधों की घरेलू ही नहीं बल्कि वैश्विक बाजार में भी व्यापक मांग है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में वनोत्पादों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पंचायत स्तर पर एमपीसीएस के माध्यम से वनोपजों की पहचान कर परिष्करण इकाइयों की स्थापना, पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं

विपणन प्रबंधन को बढ़ावा देने की आवश्यकता है ताकि ग्रामीण उत्पादकों को घरेलू बाजार से लेकर वैश्विक बाजार तक लाभकारी मूल्य प्राप्त हो सके।

इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी बल्कि झारखंड से होने वाले पलायन को रोकने में भी मदद मिलेगी तथा ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। अपने संबोधन में कृषि मंत्री ने कहा कि इस दिशा में व्यापक जन अभियान चलाने की जरूरत है, जिसमें सिद्धकोफ़ेड की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

उन्होंने किसानों को अल नीनो) से उत्पन्न संभावित परिस्थितियों के प्रति सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा कि वैज्ञानिकों के अनुसार इस साल औसत से कम बारिश होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में किसानों को शुरुआती साल के साथ ही धान रोपनी पूरी कर लेनी चाहिए तथा कम पानी में होने वाली फसलों की ओर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने मडुआ को एक बेहतर विकल्प बताया।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि वैश्विक स्तर पर चल रहे युद्ध के कारण डीएपी एवं यूरिया की उपलब्धता प्रभावित हो रही है, जिसके कारण राज्यों को मांग के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ऐसे समय में विभाग के साथ साथ किसानों को भी मानसिक रूप से तैयार रहने की आवश्यकता है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि आगामी 22 मई को राज्य के सभी प्रखंडों में आयोजित होने वाली खरीफ कर्मशाला में भाग लेकर कृषि संबंधी आवश्यक जानकारी एवं योजनाओं का लाभ उठाएं। कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने किसानों के उत्साह, आत्मविश्वास एवं लाह उत्पादन के प्रति सकारात्मक सोच की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले समय में झारखंड देश में लाह उत्पादन के क्षेत्र में एक मजबूत और नई पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि लापुंग प्रखंड भले ही रांची जिले के पिछड़े क्षेत्रों में गिना जाता हो लेकिन यहां की भौगोलिक एवं प्राकृतिक परिस्थितियां लाह उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल है। उनका संकल्प है कि आने वाले समय में लापुंग को राज्य के प्रमुख लाह उत्पादन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो और क्षेत्र आर्थिक रूप से सशक्त बन सके।

विभागीय मंत्री ने कहा कि लाह खेती केवल कृषि गतिविधि नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करने तथा पलायन रोकने का प्रभावी माध्यम है। यदि किसान वैज्ञानिक पद्धति से इस खेती को अपनाएं, तो यह आत्मनिर्भरता और आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन सकती है।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि विभाग द्वारा लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, गुणवत्तापूर्ण लाह बीहन एवं आवश्यक टूलकिट का वितरण किया जा रहा है। किसानों से अपील है कि वे इन योजनाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने अंत में कहा कि किसानों की समृद्धि, ग्रामीण विकास एवं आत्मनिर्भर झारखंड के निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता निरंतर जारी रहेगी।

इस अवसर पर सिद्धकोफ़ेड के सचिव राकेश कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी रविंद्र दास, बीडीओ उषा मिंज, अंचलाधिकारी पंकज कुमार, प्रखंड अध्यक्ष जयंत बारला, सुदामा महली, प्रमुख कंचन उरांव, उप प्रमुख विश्वनाथ मुंडा, सरोज मुंडा, जनमेजय पाठक, देवंती देवी समेत कई जनप्रतिनिधि एवं किसान मौजूद रहे।

15 जून तक राज्य के मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में लगेगी ऑटोमेटिक पैथोलॉजी मशीन, विभाग ने की तैयारी

रांची, एजेंसी। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह के कार्यालय में बुधवार को एक बैठक हुई। इस बैठक में पैथोलॉजी की मशीन बनाने वाली मेरिल कंपनी के द्वारा प्रजेंटेशन दिया दिया। इस बैठक में अपर मुख्य सचिव के साथ अवर सचिव धीरंजन शर्मा, मेरिल कंपनी के पदाधिकारी और ष्ट-ष्ठष्ट के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रजेंटेशन के दौरान मेरिल कंपनी के प्रतिनिधियों ने राज्य के अस्पतालों में लगे जांच मशीनों के बारे में बताया। प्रतिनिधियों ने बताया कि पूर्व से लगे सेमी ऑटोमेटिक पैथोलॉजिकल मशीनों को बदलकर नई फुली ऑटोमेटिक मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। टीम ने कहा कि इन मशीनों की विशेषता यह होगी कि एक साथ 50 सैंपलों की जांच की जा सकेगी। कंपनी की ओर से मशीनों पर 10 वर्षों तक मेंटेनेंस सुविधा भी उपलब्ध कराने की बात कही है।

नई मशीनों के माध्यम से यूरिन और ब्लड से संबंधित लगभग सभी पैथोलॉजिकल जांच की जा सकेंगी। मशीन से प्राप्त जांच रिपोर्ट सीधे मरीज के मोबाइल पर व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी जा सकेगी। कंपनी द्वारा संबंधित मैनपावर को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ सॉफ्टवेयर संचालन और रख रखाव की जिम्मेदारी भी निभाने की बात कही है।

बैठक के दौरान कंपनी के द्वारा एक लाइव डेमो दिया गया। जिसके माध्यम से बताया गया कि किस प्रकार मशीन काम करती है और कैसे तत्काल रिपोर्ट देती है। बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि प्रथम चरण में इन मशीनों को राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में स्थापित किया जाए।

इसके बाद दूसरे चरण में राज्य के सभी सीएचसी और पीएचसी स्तर तक इसका विस्तार किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव ने 15 जून 2026 तक सभी मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में मशीनों की स्थापना सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही इसी दिन से इन मशीनों का औपचारिक लॉन्च भी किया जाएगा।

हजारीबाग नगर निगम बोर्ड की बैठक का बहिष्कार

अधिकारी के नहीं पहुंचने पर महापौर और पार्षद हुए नाराज

हजारीबाग, एजेंसी। नगर निगम इन दिनों सुर्खियों में है। बुधवार को नगर निगम बोर्ड की बैठक आयोजित थी। बैठक को लेकर तैयारी भी चल रही थी। बैठक के वक्त पदाधिकारी के उपस्थित नहीं होने के कारण महापौर और पार्षदों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। घंटों जनप्रतिनिधि पदाधिकारी के आने का इंतजार करते रहे, लेकिन पदाधिकारी नहीं पहुंचे। इस कारण बैठक नहीं हो पाई। बोर्ड की बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी थी।

महापौर अरविंद राणा ने बताया कि बैठक में कई योजना, जिसमें बरसात से पहले नाली निर्माण और साफ-सफाई को लेकर कदम उठाना था। वह सारा अब ठंडे बस्ते में चला गया है। महापौर ने जानकारी दी कि बोर्ड बैठक में निगम के अधिकारियों की उपस्थिति बेहद महत्वपूर्ण होती है। नगर आयुक्त बैठक में नहीं आए, सहायक नगर आयुक्त बैठक

में पहुंचे और कुछ ही मिनट में हाईकोर्ट जाने की बात कह कर निकल गए। इसके बाद कोई भी पदाधिकारी बैठक में नहीं रहा। अंतिम दौर में एक पदाधिकारी पहुंचे, लेकिन तब तक जनप्रतिनिधियों ने बोर्ड की बैठक का बहिष्कार कर दिया था।

महापौर ने कहा कि यह बेहद गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है। जिसे असंवैधानिक घोषित किया जा सकता है। जनप्रतिनिधि पदाधिकारी के आने का इंतजार करते रह गए और फिर वापस लौट गए। यहां तक कि बोर्ड बैठक में पूरी प्रकिया की रिकॉर्डिंग होती है। रिकॉर्डिंग करने वाले कर्मी भी नहीं पहुंचे। ऐसे में यह प्रतीत होता है कि पहले से बैठक नहीं होने देने को लेकर रणनीति बनाई गई थी। महापौर ने कहा कि आम जनता के प्रति उनकी जिम्मेदारी है। बहुत ही विश्वास के साथ लोग मतदान करते हैं। जब आम लोगों के विश्वास पर खड़ा नहीं उतरेंगे तो यह अपमानजनक है।

बैठक में पहुंची महिला पार्षद निखत यासमीन ने बताया कि यह बेहद अपमानजनक स्थिति हो गई है कि जनप्रतिनिधि घंटों पदाधिकारी के आने का इंतजार करते रहे। कोई भी पदाधिकारी नहीं पहुंचा। जिस कारण यह बैठक स्थगित हो गई। उन्होंने कहा कि नगर निगम में 36 वार्ड है, जहां कई तरह की योजना धरातल पर उतरनी थी। बरसात से पहले साफ-सफाई को लेकर रणनीति बनानी थी। जो धरा का धरा रह गया। प्रशासनिक उदासीनता के कारण बैठक स्थागित हो गई।

झारखंड हाईकोर्ट के आदेश से बदली डीएसपी वरीयता सूची, 9 अफसर प्रमोट हुए तो 9 हुए रिवर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड में पुलिस महकमे की वरीयता सूची में बड़ा उलटफेर हुआ है। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने डीएसपी अधिकारियों की सीनियरिटी सूची दोबारा जारी की है। नई सूची लागू होने के बाद जहां 9 डीएसपी अधिकारियों को सीनियर डीएसपी पद पर प्रमोशन मिला है, वहीं पहले प्रमोट किए गए 9 अधिकारियों को उनके मूल पद पर वापस भेज दिया गया है।

दरअसल, झारखंड हाईकोर्ट ने 28 जुलाई 2025 को डब्ल्यूपी (एस) संख्या 2297/2020 पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए थे कि 2010 जेपीएससी विज्ञापन के तहत आयोजित परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर ही अधिकारियों की वरीयता तय की जाए। कोर्ट ने 2016, 2017, 2018 और 2024 में जारी अस्थायी वरीयता सूचियों को निरस्त कर दिया था। इसके बाद जेपीएससी द्वारा तैयार नई मेरिट सूची के आधार पर सरकार ने डीएसपी अधिकारियों की सीनियरिटी पुनर्निर्धारित की।

नई वरीयता सूची लागू होने से चौथे बैच के कई अधिकारी सीनियरिटी में ऊपर आ गए। जबकि पहले से वरिष्ठ माने जा रहे कुछ अधिकारी जूनियर हो गए। इसके आधार पर विभागीय प्रमोशन समिति (डीपीसी) की अनुशंसा पर सरकार ने 9 अधिकारियों को सीनियर डीएसपी (ग्रेड पे 6600, पे लेवल-11) के पद पर प्रोन्नति दी है।

भारत सरकार के जनगणना निदेशालय ने जनगणना 2027 की तैयारियों में रांची नगर निगम की पहल को सराहा

रांची, एजेंसी। जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत रांची नगर निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों को भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत जनगणना संचालन निदेशालय, झारखंड ने सराहना की है। निदेशालय की ओर से रांची नगर निगम को प्रशंसा पत्र भेजकर निगम की सक्रियता, कार्यशैली और समयबद्ध कार्य निष्पादन की प्रशंसा की गई है।

झारखंड जनगणना संचालन के निदेशक प्रभात कुमार द्वारा नगर आयुक्त को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों में रांची नगर निगम ने राज्यभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विशेष रूप से एचएलबी जियो-टैगिंग और एचएलबी सीमांकन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को गंभीरता और दक्षता के साथ पूरा करने को लेकर निगम की सराहना की गई है।

पत्र के मुताबिक, 27 अप्रैल 2026 तक उपलब्ध प्रगति रिपोर्ट में रांची नगर निगम ने लगभग 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया है। इसे राज्य के अन्य शहरी निकायों के लिए भी प्रेरणादायक बताया गया है। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि एचएलबी जियो-टैगिंग और एचएलबी सीमांकन जनगणना प्रक्रिया की बुनियाद हैं और इन कार्यों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय सीमा के भीतर पूरा होना बेहद

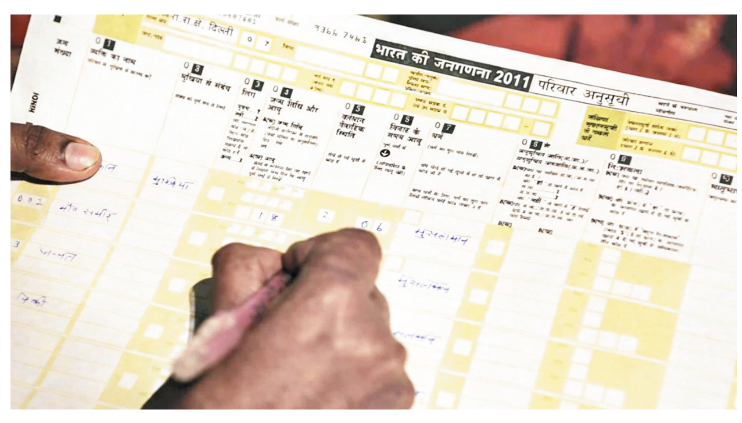

आवश्यक है।

जनगणना निदेशालय ने रांची नगर निगम की पूरी टीम के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आगामी चरणों में भी इसी तरह सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा जताई है, आने वाले दिनों में आत्मगणना, मकान सूचीकरण और मकानों की गणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे, जिनमें निगम की भूमिका अहम मानी जा रही है। नगर निगम प्रशासन ने इस उपलब्धि का श्रेय निगम के पदाधिकारियों, सुपरवाइजरों, फील्ड कर्मचारियों और तकनीकी टीम को दिया है। निगम के अनुसार, डिजिटल तकनीक, बेहतर समन्वय और टीमवर्क के कारण यह कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हो सका। निगम प्रशासन ने कहा कि कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण के कारण ही रांची नगर निगम राज्य में एक मॉडल के रूप में उभर रहा है।

नगर निगम ने यह भी कहा कि प्राप्त प्रशंसा पत्र केवल सम्मान नहीं बल्कि आगे के कार्यों को और अधिक जिम्मेदारी तथा प्रतिबद्धता के साथ पूरा करने की प्रेरणा है। निगम प्रशासन ने भरोसा जताया कि जनगणना 2027 को सफल बनाने के लिए रांची नगर निगम पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करता रहेगा तथा भविष्य में भी राज्य और देश के लिए एक आदर्श मॉडल की भूमिका निभाएगा।

हजारीबाग में चिकित्सकों की घोर कमी ! प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सबसे ज्यादा प्रभावित

हजारीबाग, एजेंसी। प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हेल्थ सेवा की रीढ़ होती है और चिकित्सक स्वास्थ्य सेवा की आत्मा। लेकिन जब चिकित्सक की कमी के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा भी चरमरा जाए तो कोई बड़ी बात नहीं। कुछ यही स्थिति हजारीबाग में देखने को मिल रही है। दरअसल, हजारीबाग में 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। 18 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 56 उप स्वास्थ्य केन्द्र हैं। इन केंद्रों में चिकित्सकों की घोर कमी है। बड़े ही मुश्किल से अस्पताल का संचालन हो रहा है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को चलाने के लिए कड़ी मशक्कत : सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ्य सेवा टिकी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह सेवा रामबाण से कम नहीं है। चिकित्सकों की घोर कमी के कारण स्वास्थ्य सेवा मरीजों को उपलब्ध नहीं हो पाती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को चलाने के लिए बड़ी ही मशक्कत करनी पड़ रही है। हजारीबाग में कुल 10 सीएससी, 18 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बरही में एक सब डिविजनल हॉस्पिटल है। जिले में कुल 56 उप स्वास्थ्य केंद्र है। सभी जगह चिकित्सकों की घोर कमी है।

52 चिकित्सकों के भरोसे पूरे जिले की स्वास्थ्य सेवा संचालित : हजारीबाग में कुल 150 पद चिकित्सकों

की स्वीकृत है। जिसमें महज 70 चिकित्सा की सेवा दे रहे हैं। 70 में 10 चिकित्सक स्टडी लीव पर है। तीन चिकित्सक बिना जानकारी के ही अनुपस्थित हैं। चार चिकित्सक प्रोग्राम पदाधिकारी के रूप में सेवा दे रहे हैं और खुद सिविल सर्जन प्रभारी के रूप में सेवा दे रहे हैं। महज 52 चिकित्सकों के भरोसे पूरे जिले की स्वास्थ्य सेवा संचालित हो रही है।

चिकित्सकों की भारी कमीः डॉ। अशोक कुमार : इस मामले में हजारीबाग के सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार कहते हैं कि चिकित्सकों की भारी कमी है। जितने चिकित्सक हमारे पास है, उनसे सेवा ली जा रही है। कोशिश यही की है कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में समय पर चिकित्सक पहुंच जाए ताकि मरीज को परेशानी ना हो।

इचाक प्रखंड में प्रभारी चिकित्सक नहीं : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बात की जाए तो हाल के दिनों में इसे अपग्रेड भी किया गया है। हजारीबाग के इचाक प्रखंड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आधारभूत संरचना से लैस है। यहां प्रभारी चिकित्सक नहीं है। खुद सिविल सर्जन ने अतिरिक्त प्रभार ले रखा है। यहां 10 चिकित्सकों के पद स्वीकृत हैं लेकिन दो चिकित्सक ही सेवा दे रहे हैं। लैब, दवा, ऑपरेशन थिएटर, नर्स सभी की उपलब्धता है। डॉक्टर नहीं होने की वजह से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सही से सेवा नहीं दे पा रहे हैं।

'अस्पताल में एंबुलेंस तक नहीं' : हजारीबाग से महज 15 किलोमीटर की दूरी होने पर डॉक्टर को यहां आउटडोर के लिए भेजा जाता है। इस अस्पताल में अपनी एंबुलेंस नहीं है। 108 के जरिए सेवा मरीज प्राप्त करते हैं। आउटसोर्सिंग, डीएमएफटी और एनएचएम के जरिए कर्मियों की बहाली की गई है। प्रसव के लिए यह सारी सुविधा है। आपातकालीन सेवा के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज ही जाना पड़ता है। यहां ऑपरेशन की सुविधा तक नहीं है।

चिकित्सकों की उपलब्धता नहीं होने से मरीज परेशान : बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 8 एमबीबीएस डॉक्टर का पद स्वीकृत है। 4 सेवा दे रहे हैं, एक डेंटल और एक आरबीएसआर के रूप में यहां सेवा दे रहे हैं। ह॥-2 होने के कारण आए दिन दुर्घटना होती रहती है। इस कारण जो सुविधा होनी चाहिए वह नहीं है। यहां दवा, एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध है। चिकित्सकों की उपलब्धता की नहीं होने के कारण मरीज को काफी अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य कर्मियों के भरोसे ही स्वास्थ्य केंद्र चल रहा है।

अत्याधुनिक भवन और इंफ्रास्ट्रक्चर होने के बावजूद मरीज परेशान : चौपारण जहां आठ चिकित्सकों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन चार चिकित्सक सेवा दे रहे हैं। महिलाओं के प्रसव के लिए बेहतर व्यवस्था है। इसके अलावा दवा समेत सहित अन्य तरह के वैक्सीन उपलब्ध हैं। लेकिन चिकित्सकों की उपलब्धता नहीं होने के कारण यहां भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। हमेशा यहां से मरीज को हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जाता है।

हजारीबाग में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा संसाधन और सुविधा से लैस है। चिकित्सकों की कमी के कारण मरीज को भारी फजीहत का सामना करना पड़ता है। उन्हें मजबूरी में शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल इलाज के लिए आना पड़ता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैं डॉक्टर की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में प्राइवेट अस्पताल के एजेंट भी सक्रिय रहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

गोमिया के पूर्व विधायक माधव लाल सिंह को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

ललपनिया, एजेंसी। गोमिया प्रखंड के साड़म स्थित बोकारो नदी तट पर गुरुवार को बिहार–झारखंड के पूर्व मंत्री एवं गोमिया के पूर्व विधायक स्वर्गीय माधवलाल सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम यात्रा और अंत्येष्टि में जनसैलाब उमड़ पड़ा। क्षेत्र के लोग अपने प्रिय जननेता को नम आंखों से अंतिम विदाई देने पहुंचे। श्मशान घाट पर सशस्त्र बलों द्वारा दिवंगत नेता को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए सलामी दी गई। जैसे ही राजकीय सम्मान की प्रक्रिया पूरी हुई, पूरा साड़म 'गोमिया का एक लाल कैसा हो — माधव लाल जैसा हो', 'माधव लाल अमर रहें' और 'माधव बाबू अमर रहें' के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। माहौल बेहद भावुक हो गया और समर्थकों की आंखें नम दिखीं। इस दौरान झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री आदरणीय योगेंद्र प्रसाद, बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कुमार महेश सिंह, झामुमो जिलाध्यक्ष रतनलाल मांझी, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र राज समेत कई वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और हजारों की संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। माधवलाल सिंह को क्षेत्र में जननेता, गरीबों की आवाज और सामाजिक सरोकारों से जुड़े नेता माधव बाबू के रूप में जाना जाता था। उनके निधन से गोमिया सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

डीसी के निर्देश पर 67 स्कूलों में औचक निरीक्षण, कई टीचर मिले गायब

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के गढ़वा जिले के जिले की चरमराती शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बुधवार को प्रशासन ने अब तक का सबसे बड़ा हंटर चलाया है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी अनन्य मित्तल के निर्देश पर जिले के 67 प्राथमिक, मध्य और उच्च विद्यालयों में एक साथ औचक निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी कैसर रजा और जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज के नेतृत्व में चली इस व्यापक कार्रवाई से पूरे जिले के शैक्षणिक गलियारे में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान कहीं स्कूल के ताले बंद मिले, तो कहीं शिक्षक बिना किसी सूचना के अपनी ड्यूटी से नदारद पाए गए। अभियान के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी कैसर रजा ने रंका प्रखंड के राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय और नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्कूल सहित कई संस्थानों की जांच की। यहां कई शिक्षक अनुपस्थित पाए गए, जिनसे तत्काल स्पष्टीकरण मांगते हुए विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दूसरी ओर, जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज जब मेराल प्रखंड के कोलोदोहर प्राथमिक विद्यालय पहुंचे, तो वहां स्कूल ही बंद पाया गया। निरीक्षण टीम ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए संबंधित अधिकारियों को तलब किया है। जिले के सभी कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की भी सघन जांच की गई, जहां छात्राओं के खाने, सुरक्षा और आवासीय सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि जहां कुछ स्कूलों में पीने के पानी और शौचालय की व्यवस्था ठीक थी, वहीं कई जगहों पर साफ–सफाई और पढ़ाई की गुणवत्ता में भारी कमी दिखी। अधिकारियों ने दो टूक शब्दों में कहा कि शिक्षक केवल उपस्थिति न दर्ज करें, बल्कि 'पाठ योजना' बनाकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करें। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सरकारी स्कूलों में बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आने वाले दिनों में यह औचक निरीक्षण अभियान और भी तेज गति से जारी रहेगा, जिससे कि लापरवाह कर्मियों पर नकेल कसी जा सके।

एमबीएनएस कॉलेज के निदेशक से कहा- गैंग का नाम बताओ, वरना होगी कार्रवाई

रांची, एजेंसी। झारखंड भर्ती घोटाले में रांची पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। चांडिल के पारडीह निवासी और एमबीएनएस कॉलेज के डायरेक्टर विवेक सिंह से पूछताछ के बाद पुलिस ने साफ कहा है कि भर्ती नेटवर्क से जुड़े लोगों को पकड़वाने में सहयोग करें, नहीं तो कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। जांच एजेंसियां अब पूरे भर्ती सिंडिकेट, डिजिटल रिकॉर्ड और पैसों के लेनदेन की जांच में जुट गई हैं। असल में झारखंड में प्रतियोगिता परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित धांधली के मामले में रांची पुलिस अब आक्रामक मोड में है। सरायकेला–खरसावां के चांडिल स्थित पारडीह निवासी और एमबीएनएस कॉलेज के डायरेक्टर विवेक सिंह से पूछताछ के बाद पुलिस ने उन्हें सख्त चेतावनी दी है। कहा गया है कि भर्ती नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने में सहयोग करें, वरना कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विवेक सिंह पूर्व में भी जमशेदपुर के कई निजी कॉलेज/ स्कूल संचालक फर्जी सर्टिफिकेट बनाने के रैकेट में संलिप्त पाए जा चुके हैं। वहीं कोल्हान विवि, जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज के कई वरीय अधिकारियों पर फर्जी सर्टिफिकेट के सहारे पदोन्नति पाने, चहेतों को नौकरी देने जैसे गंभीर आरोप उनपर लग चुके हैं। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता मुख्य परीक्षा से ठीक पहले बीते 12 अप्रैल को रांची पुलिस ने तमाड़ के अर्धनिर्मित नर्सिंग कॉलेज में छापेमारी कर स्टूडेंट समेत 164 लोगों को गिरफ्तार किया था। छापेमारी के दौरान अर्धनिर्मित मकान के पास से पुलिस ने यूपी नंबर की कार जब्त की।

झामुमो का केंद्र सरकार पर आरोप, चुनावी लाभ हानि देखकर

तय होती है पेट्रोल-डीजल की कीमत !

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने केंद्र सरकार पर देश की जनता को आर्थिक संकट, महंगाई और योजनाबद्ध तरीके से अधिकारों से वंचित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा पेट्रोल डीजल की कीमतों को लेकर दिया गया बयान वास्तविकता से दूर और जनता को भ्रमित करने वाला है।

चुनावी लाभ-हानि देखकर तय किए जाते हैं तेल के दाम : दरअसल उन्होंने कहा कि असली समस्या अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत नहीं बल्कि बीजेपी की 'चुनावी तेल नीति' है। केंद्र सरकार ने खुद यह साबित किया कि पेट्रोल-डीजल के दाम आर्थिक आधार पर नहीं बल्कि चुनावी लाभ, हानि देखकर तय किए जाते हैं। साल 2022 में जब कच्चे तेल की कीमत 115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंची थी, तब पांच राज्यों के चुनाव के दौरान 137 दिनों तक पेट्रोल डीजल के दाम स्थिर रखे गए। वही बाद में जब कच्चे तेल की कीमत घटकर 75-80 डॉलर तक आ गई तब जनता को वैसी कोई राहत नहीं दी गई।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 के ठीक पहले अचानक 2 प्रति लीटर की कटौती यह साबित करती है कि बीजेपी सरकार में पेट्रोल डीजल की कीमत, बाजार नहीं बल्कि चुनाव तय करता है। झामुमो नेता ने सवालिया लहजे में पूछा कि जब इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल जैसी सरकारी तेल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 81,000 करोड़ का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया, तब 'अंडर-रिकवरी' का रोना क्यों रोया जा रहा है?

उन्होंने कहा कि 2014 से अब तक केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल पर टैक्स के माध्यम से लगभग 38.89 लाख करोड़ की वसूली कर चुकी है। इसका पूरा बोझ देश के आम नागरिकों ने उठाया है। बीजेपी सरकार ने 10 सालों तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों को आर्थिक नीति नहीं बल्कि राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया है।

विनोद कुमार पांडेय ने आगे कहा कि देश में बढ़ती महंगाई और आर्थिक अस्थिरता का सबसे बड़ा संकेत सोने की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि है। पिछले एक साल में सोने के दाम कई गुना बढ़े है लेकिन आम लोगों की आय, वेतन या बैंक जमा में वैसी वृद्धि नहीं हुई है, उल्टे भारतीय रुपया लगातार कमजोर होता चला गया। यही कारण है कि पूरी दुनिया में सोने को 'सेफ एसेट' माना जाता है क्योंकि जब लोगों का अपनी करेंसी और अर्थव्यवस्था पर भरोसा घटता है तो वे सोने की ओर रुख करते हैं।

उन्होंने अपने आरोप जारी रखते हुए कहा कि भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों ने आम जनता की बचत, रोजगार और क्रय शक्ति को कमजोर कर दिया है। आज आम नागरिक महंगाई, बेरोजगारी और टैक्स के दोहरे बोझ के नीचे दबा है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव ने राशन कार्ड रद्दीकरण के मुद्दे पर भी बीजेपी को घेरा।

उन्होंने कहा कि बिहार में लाखों राशन कार्ड रद्द किए जाने के बाद अब पश्चिम बंगाल में भी गरीबों को योजनाओं से वंचित करने की कोशिश हो रही है। भाजपा झारखंड में भी एसआईआर जैसे बहानों के माध्यम से गरीब, आदिवासी, मूलवासी और झारखंडियों का राशन छीनने की साजिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि झामुमो गरीबों के अधिकारों पर किसी भी प्रकार का हमला बर्दाश्त नहीं करेगा। राज्य के हर जरूरतमंद परिवार को राशन, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानपूर्वक जीवन का अधिकार मिलना चाहिए। बीजेपी सरकार, जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भ्रम और भय की राजनीति कर रही है लेकिन देश और झारखंड की जनता अब सच्चाई समझ चुकी है।

पलामू में आंधी-तूफान का कहर, पेड़ गिरने से बाइक सवार दो युवकों की मौत

पलामू, एजेंसी। जिले में बुधवार शाम आंधी-तूफान ने जमकर कहर बरपाया है। हैदरनगर थाना क्षेत्र में पेड़ गिरने से एक युवक की मौत हुई है, जिसकी पहचान औरंगाबाद जिले के बड़ेम थाना क्षेत्र अंतर्गत तिवारीडीह निवासी 50 वर्षीय रामदेव चंद्रवंशी के रूप में हुई। वहीं, लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के नौडीहा में पेड़ गिरने से सुनील राम के बेटे की मौत हो गई। जबकि इस घटना में एक दूसरा बाइक सवार गंभीर रूप से जख्मी है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घायल की पहचान रामबांध धोबियाडीह टोला निवासी अनिल चंद्रवंशी (45) के रूप में हुई है। अनिल चंद्रवंशी अपने रिश्तेदार के घर गए हुए थे।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि रामदेव चंद्रवंशी एक शादी समारोह में शामिल होने हैदरनगर के रामबांध टोला के धोबियाडीह आए हुए थे। इसी दौरान उनकी तबीयत खराब होने पर अनिल चंद्रवंशी उन्हें बाइक से इलाज कराने हैदरनगर लाए थे। इलाज के बाद दोनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे।

इसी दौरान तेज आंधी-तूफान के बीच मरघटिया रोड पर पीपल का विशाल पेड़ अचानक बाइक पर गिर गया। पेड़ गिरते ही दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत दोनों को निजी वाहन से अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने रामदेव चंद्रवंशी को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल अनिल चंद्रवंशी की स्थिति नाजुक देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच रेफर कर दिया गया।

इधर, मेदिनीनगर के सिंगरा खुर्द इलाके में रेलवे ट्रैक पर पीपल का पेड़ गिरने से रेलवे का थर्ड लाइन पर परिचालन बाधित हो गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और करीब एक घंटे के कड़ी मशक्कत के बाद स्थिति को सामान्य किया गया।

गर्मी आते ही बढ़ी आम के अचार और मुरब्बे की मांग, मेहनत से स्वाद पहुंचा रहे चुनूं महाली

जादूगोड़ा, एजेंसी। गर्मी की शुरुआत के साथ ही गांवों और शहरों में आम के अचार और मुरब्बे की मांग तेजी से बढ़ने लगी है। घर-घर में अचार बनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं और बाजारों में कच्चे आम की खरीदारी बढ़ गई है। इसी बढ़ती मांग को पूरा करने में कलकापुर तेतला गांव निवासी चुनूं महाली अहम भूमिका निभा रहे हैं, जो अपनी मेहनत से लोगों तक ताजे आम पहुंचा रहे हैं

पिछले करीब पांच सालों से चुनूं महाली कच्चे आम का कारोबार कर रहे हैं। वे रोज सुबह ताजे आम लेकर जादूगोड़ा और आसपास के बाजारों में पहुंचते हैं। उनकी खासियत यह है कि वे ग्राहकों की जरूरत के अनुसार मौके पर ही आम काटकर देते हैं। कटे हुए आम 30 में उपलब्ध कराते हैं, जबकि पूरा कच्चा आम 20 प्रति किलो की दर से बेचते हैं। ग्राहक जिस आकार और तरीके से आम चाहते हैं, चुनूं उसी अनुसार काटकर देते हैं। गर्मी के मौसम में आम का अचार और मुरब्बा बनाने की परंपरा आज भी कायम है। कई परिवार सालभर के लिए अचार तैयार करते हैं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं पारंपरिक मसालों के साथ स्वादिष्ट अचार बनाना पसंद करती हैं। वहीं, मीठा मुरब्बा भी लोगों की पसंद बना हुआ है। इसी कारण इन दिनों कच्चे आम की मांग में काफी बढ़ोतरी देखी जा रही है। चुनूं महाली बताते हैं कि उनके पास अधिकतर ग्राहक अचार और मुरब्बा बनाने के लिए ही आम खरीदने आते हैं। वे हमेशा ताजगी और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हैं, जिससे ग्राहकों का भरोसा बना रहता है। कई ग्राहक हर साल उन्हीं से आम खरीदते हैं।

वे जादूगोड़ा बाजार के अलावा आसपास के ग्रामीण हाटों में भी आम बेचते हैं। यूसीआईएल कॉलोनी में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में गुरुवार और रविवार को उनकी दुकान लगती है, जबकि अन्य दिनों में वे पेड़ के नीचे बैठकर आम काटते-बेचते नजर आते हैं।

होल्डिंग टैक्स में 10 प्रतिशत वृद्धि वापस लेने की मांग करेगा धनबाद नगर निगम, बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव मंजूर

धनबाद, एजेंसी। नगर निगम ने राज्य सरकार द्वारा होल्डिंग टैक्स में की गई 10% बढ़ोतरी का विरोध करते हुए इसे वापस लेने की मांग की है। निगम बोर्ड की बैठक में इस संबंध में प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। अब नगर निगम सरकार को पत्र भेजकर बढ़ी हुई दरों को निरस्त करने की मांग करेगा। बोर्ड की तीसरी बैठक में पार्षदों ने शहर की पेयजल, सफाई, नाली और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत समस्याओं के साथ निगम अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए।

धनबाद नगर निगम की बोर्ड बैठक में आम जनता से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में होल्डिंग टैक्स वृद्धि का मामला प्रमुख रहा। राज्य सरकार की ओर से होल्डिंग टैक्स में 10 % की बढ़ोतरी किए जाने पर निगम बोर्ड ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। बैठक में मेयर संजीव सिंह ने कहा कि इस बढ़ोतरी से शहरवासियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने सरकार से इसे तत्काल वापस लेने की मांग की।

प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान अधिकांश पार्षदों ने भी बढ़े हुए टैक्स का विरोध किया और कहा कि पहले से ही लोग महंगाई की मार झेल रहे हैं। ऐसे में टैक्स बढ़ाना उचित नहीं है। इसके बाद बोर्ड ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर राज्य सरकार को पत्र लिखने का निर्णय लिया।

बैठक में शहर की बुनियादी सुविधाओं को लेकर भी व्यापक चर्चा हुई। पार्षदों ने विभिन्न वार्डों में पेयजल संकट, जाम नालियों, खराब स्ट्रीट लाइट और नियमित सफाई नहीं होने की समस्याएं उठाई गई। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के कारण नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बैठक में सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सफाईकर्मियों की नियुक्ति, ट्रैक्टरों की संख्या बढ़ाने तथा जरूरत पड़ने पर किराये पर ट्रैक्टर लेने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसके अलावा संसाधनों के विस्तार के लिए नई मशीनों की खरीद को भी मंजूरी दी गई। जिन इलाकों में पाइपलाइन के माध्यम से पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। वहां स्थाई जल टंकियां स्थापित की जाएंगी।

लामू में लापता युवक की खोज के लिए बनाई गई एसआईटी, कई इलाकों में लगाए गए पोस्टर

पलामू, एजेंसी। जिले के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र से लापता युवक अमृतसाज अंशु की तलाश के लिए पुलिस लगातार जुटी हुई है। इसी कड़ी में अब पुलिस ने एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन किया है।

एसपी कपिल चौधरी द्वारा बनाई गई इस टीम में डीएसपी राजीव रंजन, डीएसपी राजेश यादव, टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार, सदर थाना प्रभारी लालजी, सब इंस्पेक्टर सुबोध कुमार और सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार गुप्ता शामिल हैं।

दरअसल, अमृतसाज अंशु मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के गायत्री मंदिर सुदना के इलाके का रहने वाला है। 11 मई को अमृतसाज घर से मंदिर में पूजा करने की बात बोलकर निकला था। पूजा करने के बाद युवक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने युवक की काफी खोजबीन की और बाद में पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। पलामू एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि लापता युवक के मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन किया गया है। डीएसपी राजीव रंजन और डीएसपी राजेश यादव के नेतृत्व में यह टीम जांच में जुट गई है। पुलिस युवक की तलाश कर रही है।

दरअसल, अमृतसाज अंशु आईआईटी मेधावी छात्र है। उसने आईआईटी का एंट्रेंस टेस्ट पास किया है। पुलिस खोजबीन के लिए लगातार अभियान चला रही है। कई इलाकों में पलामू पुलिस ने लापता युवक के बारे में पोस्टर भी लगाया है।

रेल यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी ! रांची और टाटानगर से दिल्ली के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें, कई ट्रेनें रहेंगी रद्द

रांची, एजेंसी। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे ने रांची और टाटानगर से दिल्ली के लिए जनजाति दिवस स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। रेलवे की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यात्रियों की सुविधा के लिए रांची-ष्ठद्गद्यद्धद्ब-रांची तथा टाटानगर-आनंद विहार टर्मिनल-टाटानगर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर विकास कार्यों और रोलिंग ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनों को रद्द भी किया गया है।

रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 08639 रांची-दिल्ली जनजाति दिवस स्पेशल 23 मई 2026, शनिवार को रांची से खुलेगी। यह ट्रेन केवल एक ट्रिप के लिए चलाई जाएगी। ट्रेन रांची से सुबह 3:30 बजे प्रस्थान करेगी और लोहरदगा, टोरी, डालटनगंज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज और गोविंदपुरी होते हुए अगले दिन दिल्ली पहुंचेगी।

वहीं, वापसी में ट्रेन संख्या 08640 दिल्ली-रांची जनजाति दिवस स्पेशल 25 मई 2026, सोमवार को दिल्ली से खुलेगी और उसी रूट से होकर रांची पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 20 कोच लगाए जाएंगे, जिनमें एसएलआरडी और स्लीपर कोच शामिल हैं।

इसी तरह ट्रेन संख्या 08183 टाटानगर-आनंद विहार टर्मिनल जनजाति दिवस स्पेशल 23 मई को टाटानगर से रवाना होगी। यह ट्रेन मुरी, बोकारो स्टील सिटी, गोमो, गया, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज और कानपुर होते हुए आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 08184 आनंद विहार टर्मिनल-टाटानगर स्पेशल 25 मई को चलेगी।

रेलवे ने बताया कि इस ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे, जिनमें सामान्य श्रेणी, स्लीपर और एसएलआरडी कोच शामिल रहेंगे। दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची रेल मंडल प्रबंधक ने कहा कि गर्मी के मौसम और छुट्टियों के दौरान यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी को देखते हुए यह विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों को कन्फर्म टिकट और यात्रा में सहूलियत मिल सके।

इधर, रांची मंडल के अंतर्गत विकास कार्यों के लिए लिए गए नियोजित ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनों को रद्द करने का भी निर्णय लिया गया है। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 58663/58664 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर और ट्रेन संख्या 58665/58666 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर 11 जून 2026 तक रद्द रहेंगी।

इसके अलावा दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में विकास कार्य के कारण ट्रेन संख्या 18036 हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस, जिसे पहले निर्धारित तिथियों पर विलंब से चलाने की सूचना दी गई थी, अब 13 मई और 16 मई 2026 को पूरी तरह रद्द कर दिया गया है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति और समय सारिणी की जानकारी आधिकारिक वेबसाइट या रेलवे हेल्पलाइन से अवश्य प्राप्त कर लें।

गढ़वा में 'कॉफी विद एसडीएम' आयोजित, एसडीएम ने जाना नर्सों का दर्द और जज्बा

गढ़वा, एजेंसी। स्वास्थ्य सेवाओं में रीढ़ की हड्डी मानी जाने वाली नर्सिंग कर्मियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से बुधवार गढवा अनुमंडल कार्यालय में एक खास आयोजन हुआ। अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के मौके पर एसडीएम संजय कुमार ने अपने साप्ताहिक कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' के तहत अलग-अलग अस्पतालों और संस्थानों से आई 30 से अधिक नर्सों के साथ सीधा संवाद किया।

इस दौरान सभागार का माहौल तब और भी गंभीर हो गया जब एसडीएम ने नर्सिंग पेशे को मानव सेवा और संवेदना का सर्वोच्च प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था का सबसे मानवीय चेहरा नर्स ही होती हैं, जो आपातकालीन स्थितियों में मरीजों की ढाल बनकर खड़ी रहती हैं।इस संवाद का मुख्य उद्देश्य केवल चर्चा करना नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने वाली इन महिला कर्मियों के अनुभवों और समस्याओं को सुनकर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाना था।

चर्चा के दौरान नर्सिंग कर्मियों ने भी खुलकर अपनी बातें रखीं। कार्यक्रम में 90 प्रतिशत से अधिक महिला नर्स मौजूद थीं, इसलिए उन्होंने ड्यूटी के घंटों के साथ-साथ पारिवारिक जिम्मेदारियों के संतुलन और विशेषकर रात ड्यूटी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी चिंताएं जताईं। कई प्रतिभागियों ने सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं, साफ-सफाई और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता को और मजबूत करने के सुझाव दिए।

बातचीत में तब एक भावुक मोड़ आया जब संजय कुमार ने नर्सों से अपील की कि वे अपनी सेवा-भावना पर निजी लाभ को कभी हावी न होने दें। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कुछ कर्मियों द्वारा मरीजों को निजी अस्पतालों में जाने के लिए प्रेरित करने की शिकायतें दुखद हैं, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि अधिकांश नर्सें पूरी निष्ठा से अपना फर्ज निभा रही हैं।

कार्यक्रम में वरिष्ठ नर्सों ने मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए प्रशिक्षु नर्सों को महत्वपूर्ण सीख दी। सदर अस्पताल की संध्या तिवारी ने कहा कि एक नर्स का हंसमुख व्यवहार मरीज की आधी बीमारी दूर कर देता है। वहीं नीतू कुमारी और रंजू बाला मिंज ने इस बात पर जोर दिया कि जिन मरीजों का कोई सहारा नहीं होता, उनके लिए नर्स को ही परिजन बनकर देखभाल करनी चाहिए।अंत में एसडीएम ने आश्वासन दिया कि मिले हुए सभी सुझावों को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। इस दौरान प्रीति, चंदा, श्वेता, सबीना, सपना, नेहा और प्रियंका सहित दर्जनों कर्मियों ने अपने विचार साझा किए और प्रशासन की इस पहल की सराहना की।

झारखंड में 20 जून से शुरू होगा एसआईआर, चुनाव आयोग ने जारी किया कार्यक्रम

रांची, एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण की घोषणा कर दी है। इसके तहत झारखंड समेत 16 राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण कराया जाएगा। झारखंड में यह प्रक्रिया 20 जून से शुरू होगी और 7 अक्तूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, झारखंड में 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। इसके बाद पांच अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। दावे और आपत्तियां पांच अगस्त से चार सितंबर तक लिये जाएंगे। सभी दावों और आपत्तियों के निबटारे के बाद सात अक्तूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी।

निर्वाचन आयोग के अनुसार एसआईआर फेज-3 के दौरान देशभर में लगभग 36.73 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए 3.94 लाख से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर और 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) लगाए जाएंगे।

राजनीतिक दलों को भी प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलए नियुक्त करने की अपील की गई है ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी हो सके।आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक झारखंड में कुल 2 करोड़ 64 लाख 89 हजार 777 मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

दो बहनों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे, उंगलियां काटी, हड्डियां तोड़ीं और हत्या कर फेंका

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मकसूदपुर में दो चचेरी नाबालिग बहनों की कथित हत्या के मामले में रोंगटे खड़े करने वाले तथ्य सामने आए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, अगवा करने की रात ही दोनों बच्चियों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। मृतका के नाजुक अंगों में खून जमा मिला है, जबकि बाएं हाथ की तीन उंगलियां कटी हुई थीं। इसके अलावा जबड़ा निकला हुआ था और फेफड़े की चार हड्डियां टूटी पाई गईं। इस बर्बरता ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। यह सनसनीखेज मामला पुलिस के लिए एक अबूझ पहेली बन गया है। एनएच-22 और स्थानीय चिमनी पर लगे सीसीटीवी कैमरों से भी अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। ग्रामीणों और परिजनों का कहना है कि घटना से एक दिन पहले शाम तक उस स्थान पर कुछ नहीं था, जहां अगले दिन सुबह दोनों के शव बरामद हुए। सुबह शवों से तेज दुर्गंध आ रही थी, जिससे आशंका जताई जा रही है कि दोनों बहनों की हत्या कहीं और की गई और बाद में सबूत मिटाने के लिए शवों को यहां लाकर फेंक दिया गया। बड़ी बच्ची मौसमी कुमारी के गले पर जख्म के निशान हैं और सिर के बाल गायब थे। वहीं छोटी बच्ची रुचि के पेट पर धारदार हथियार के गहरे घाव मिले हैं। स्थानीय लोगों और परिजनों को अंदेशा है कि बड़ी बच्ची के साथ हुई हैवानियत का भांडा न फूटे, इसलिए छोटी बच्ची को भी मौत के घाट उतार दिया गया। शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस फिलहाल एफएसएल टीम की जांच और विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले की गुत्थी सुलझाने में जुटी है।

राज्यसभा सांसद बनने के बाद पहली बार कल्याण बिगहा पहुंचे नीतीश कुमार, बेटे निशांत भी रहे मौजूद

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को हरनौत के कल्याण विभाग पहुंचे। राज्यसभा सांसद बनने और सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद पैतृक गांव में वह पहली बार पहुंचे थे। इस दौरान नीतीश कुमार के बेटे और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार भी मौजूद रहे। कल्याण बिगहा पहुंचने पर पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने अपनी धर्मपत्नी स्वर्गीय मंजू देवी की पुण्यतिथि पर स्मृति वाटिका में श्रद्धा सुमन अर्पित की। साथ ही स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने भी अपने माता स्वर्गीय मंजू देवी की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित की। स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद पहली बार निशांत कुमार अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा पहुंचे थे, जिसको लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा गया। नीतीश कुमार और उनके बेटे निशांत कुमार के आगमन को लेकर उनके पैतृक गांव में खास तैयारी भी की गई थी। जानकारी के मुताबिक, कल्याण बिगहा पहुंचने पर सबसे पहले नीतीश कुमार और उनके बेटे निशांत कुमार ने स्थानीय देवी मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की। स्वर्गीय मंजू देवी को श्रद्धांजलि देते वक्त नीतीश कुमार भावुक दिखे। इस दौरान नीतीश कुमार के बड़े भाई सतीश कुमार, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार समेत अन्य पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे। नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के काफी लंबे समय के बाद कल्याण बिगहा पहुंचने की वजह से कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दोनों के नाम से जिंदाबाद के नारे भी लगाए गए। नीतीश कुमार ने यहां कुछ लोगों से बातचीत की। उनकी समस्याओं को जाना और निपटारे का आदेश भी दिया। साथ ही वे अपने पैतृक आवास भी गए। कुछ ही देर कल्याण बिगहा में रुकने के बाद पटना के लिए नीतीश कुमार रवाना हो गए।

शेखपुरा में 5 साल के मासूम का अपहरण, व्हाट्सएप पर की 10 लाख की डिमांड, 2 गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। शेखपुरा जिले के कसार थाना इलाके के बरसा गांव में 10 लाख रुपये की फिरौती के लिए 5 वर्षीय दीपांशु कुमार के अपहरण का मामला सामने आया है। इस मामले में एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी अपहृत का सुराग नहीं मिल सका है। इस मामले में संलिप्त दो अपहरण कर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले को लेकर कसर थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि 6 मई को बरसा गांव निवासी कन्हैया पंडित के 5 वर्ष के पुत्र दीपांशु रहस्माई तरीके से लापता हो गए थे। इस मामले में पुलिस अनुसंधान के दौरान 10 लाख रुपए फिरौती को लेकर इस अपहरण की बात सामने आई है। मामले में संलिप्त दो अपहरण कर्ताओं को भी गिरफ्तार किया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि अपहरण के इस मामले में पुलिस ने बरसा गांव के ही प्रदीप मांझी एवं संतोष रविदास को गिरफ्तार किया है। जबकि दो अन्य आरोपियों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। ग्रामीण ने बताया कि इस घटनाक्रम में 9 मई को एसपी बलीराम चौधरी के निर्देश पर लापता बालक की तलाश में डॉग स्क्वायड की टीम को घटनास्थल तक लाया गया था। इसके साथ ही पूरे मामले में पुलिस ने रहस्य से पर्दा हटाने के लिए हाईटेक अनुसंधान शुरू कर दिया है।

ब्रांड के नाम पर जहरीली सिगरेट की फैक्ट्री

बाजार से तंबाकू, सिगरेट के खाली डिब्बे खरीदता था आरोपी

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में पुलिस ने सिगरेट जालसाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। नगर थाना पुलिस ने महमदपुर में छापेमारी कर एक ऐसी मिनी फैक्ट्री को पकड़ा है, जहां घर की चहारदीवारी के अंदर नामी-गिरामी कंपनियों के नाम पर नकली सिगरेट बनाई और पैक की जा रही थी।

पुलिस ने मौके से एक शातिर धंधेबाज को गिरफ्तार किया है, जो पिछले काफी समय से इस अवैध कारोबार को अंजाम दे रहा था। दरअसल नगर थाना के पीटीसी संतोष कुमार पंडित को सूचना मिली थी कि महमदपुर में एक मकान में किराएदार संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त है।

पूरी जानकारी लेने के बाद थाना प्रभारी ने टीम गठित कर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही मकान से निकलकर एक व्यक्ति ने भागने की कोशिश की, जिसे जवानों ने खदेड़कर दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान शिव शक्ति कुमार (42) के रूप में हुई है।

एसपी मनीष ने बताया कि शिवशक्ति कुमार लाखो थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव का रहने वाला है और वर्तमान में महमदपुर में किराए पर रह रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि बाजार से खुला तंबाकू और नामी सिगरेट कंपनियों के खाली डिब्बे खरीदता था। इसके बाद वह घर में ही सिगरेट भरकर उन्हें सील करता था। इसके बाद शहर के छोटे दुकानदारों और ग्रामीण इलाकों में ऊंचे दामों पर बेच देता था।

छापेमारी में कमरे से स्टार लिबर्टी ब्रांड का 2400 पैकेट, गोल्ड फ्लैक ब्रांड का 4000 से अधिक पैकेट एवं विल्स फ्लेक का 3600 खाली पैकेट और प्रिंटेड कागज की 105 शीट मिला है।

छापेमारी में पुलिस की टीम ने मौके पर से तुलसी जर्दा का 580 पैकेट नकली जर्दा एवं एचपी इंडस्ट्रियल प्रिंटिंग कार्ट्रिज (मेड इन चाइना) और एडॉप्टर भी बरामद किया है। आशंका है कि इसका इस्तेमाल पैकेटों पर जाली मैन्युफैक्चरिंग डेट और बैच नंबर डालने के लिए किया जाता था।

पुलिस ने गिरफ्तार शिव शक्ति कुमार से इन सिगरेटों और सामग्री के संबंध में वैध लाइसेंस या खरीद-बिक्री के दस्तावेज मांगे तो वह कोई भी कागज पेश नहीं कर सका। बताया जा रहा है कि नकली सिगरेट का यह धंधा न केवल आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है। बल्कि सरकार के राजस्व को भी बड़ा नुकसान पहुंचा रहा है।

इस तरह की सिगरेट में इस्तेमाल होने वाला तंबाकू मानकों पर खरा नहीं उतरता, जिससे कैंसर जैसे रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। बिना जीएसटी और लाइसेंस के चल रहे इस धंधे से सरकार को लाखों की चपत लग रही थी। नगर थाना पुलिस ने आरोपी शिव शक्ति कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

बरामद सिगरेट का बाजार मूल्य 4 लाख रुपए से अधिक बताया जा रहा है। अब यह जांच कर रही है कि आरोपी को चाइनीज प्रिंटिंग मशीन और कच्चा माल कहां से मिलता था। जांच चल रही है कि कहीं इस गिरोह के तार अंतर्राज्यीय सिंडिकेट से तो नहीं जुड़े हैं। बेगूसराय के कौन-कौन से दुकानदार इस नकली माल की सप्लाई ले रहे थे।

पिता की मौत की खबर सुनते ही बेटे ने उठा ली कुल्हाड़ी, मां समेत 6 लोगों पर किया हमला

खगड़िया, एजेंसी। जिले के चौथम थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरा पंचायत के जमुआ गांव में बुधवार को एक सनसनीखेज घटना सामने आई। पिता की मौत के बाद गुस्से में आए एक युवक ने धारदार हथियार (कुल्हाड़ी) से अपनी मां समेत छह लोगों पर हमला कर दिया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही चौथम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पिता के निधन के बाद अचानक हुआ उग्रः जानकारी के अनुसार जमुआ गांव निवासी उग्रसेन पाठक की नेचुरल डेथ बुधवार सुबह करीब 11 बजे हो गयी थी। मौत की खबर सुनते ही परिजन और आसपास के ग्रामीण उनके घर पहुंचने लगे। इसी दौरान उग्रसेन पाठक का पुत्र प्रदीप पाठक अचानक उग्र हो गया और घर में मौजूद लोगों पर धारदार हथियार से हमला करना शुरू कर दिया।हमले में रीता देवी, बच्चन देवी, सीमा देवी, मंजू देवी, हरिलाल यादव और क्षत्री यादव घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल चौथम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल लोगों को सदर अस्पताल खगड़िया रेफर कर दिया गया।जानकारी के अनुसार तीन लोग आईसीयू में भर्ती हैं और तीन लोगों की स्थिति खतरे से बाहर बतायी जाती है। घटना की सूचना मिलते ही चौथम थानाध्यक्ष अजीत कुमार पुलिस बल और डायल 112 टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रदीप पाठक को हिरासत में लेकर थाना पहुंचाया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा आरोपीः ग्रामीणों के अनुसार आरोपी प्रदीप पाठक लंबे समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ था।

नीतीश कुमार ने सीतामढ़ी में कार्यकर्ताओं से की मुलाकात, बोले-बिहार में विकास की रफ्तार हुई दोगुनी

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार बुधवार को सीतामढ़ी पहुंचे। उन्होंने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनके आने के बाद बिहार में विकास की रफ्तार दोगुनी हुई है।

नीतीश कुमार सीतामढ़ी सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के आवास पर पहुंचे। उनके आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता और समर्थक जुट गए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की।नीतीश कुमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बिहार में हुए विकास कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों के दौरान बिहार में विकास की स्थिति खराब थी, जिसमें सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार बनने के बाद विकास की गति दोगुनी हो गई और हर क्षेत्र में तेजी से काम हुआ।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में भी बिहार और सीतामढ़ी के विकास की रफ्तार और तेज की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया।इस अवसर पर सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास की नई पहचान बनाई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने की अपील की।

सीबीएसई 12वीं में आयुष्मान चौधरी का कमाल,

97.20% अंक लाकर बने मुजफ्फरपुर स्कूल टॉपर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर शहर के अघोरिया बाजार स्थित प्रोफेसर्स कॉलोनी निवासी छात्र आयुष्मान चौधरी ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया है। कॉमर्स संकाय के छात्र आयुष्मान ने 97।20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में पहला स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर समेत पूरे इलाके में खुशी का माहौल है।

पहले भी दिखा चुके हैं प्रतिभा : आयुष्मान शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 10वीं बोर्ड परीक्षा में भी 96 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। लगातार दूसरी बोर्ड परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन कर उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। उनकी सफलता ने अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का काम किया है।

हॉलिस्टिक अप्रोच से मिली कामयाबी : अपनी सफलता को लेकर आयुष्मान ने कहा कि कोई विशेष तरीका नहीं था, बल्कि उन्होंने 'हॉलिस्टिक अप्रोच' अपनाते हुए नियमित पढ़ाई पर ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि सीबीएसई की तैयारी के लिए एनसीआरटी सबसे महत्वपूर्ण है। अगर छात्र एनसीआरटी की किताबों को अच्छी तरह समझ लें और सवाल बनाने की प्रक्रिया पर ध्यान दें, तो अच्छे अंक आसानी से हासिल किए जा सकते हैं।

सीए बनने का है सपना : आयुष्मान ने भविष्य में चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) बनने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि वह आगे भी पूरी मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई जारी रखेंगे, ताकि अपने सपनों को साकार कर सकें। उनका लक्ष्य स्पष्ट है और उसी दिशा में वह निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

परिवार ने जताई खुशी : उनके पिता अश्विनी कुमार ने बेटे की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें खुद 65 प्रतिशत अंक मिले थे, लेकिन बेटे ने परिवार का नाम ऊंचा कर दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार में रहने का फायदा बच्चों को मिलता है, क्योंकि सभी लोग मिलकर उनका ध्यान रखते हैं। 12वीं तक बच्चों को परिवार के साथ रहकर पढ़ाई करनी चाहिए, ताकि सही माहौल और मार्गदर्शन मिल सके।

दादी और मां भी हुईं भावुक : आयुष्मान की दादी मंजू चौधरी ने भी पोते की सफलता पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि आयुष्मान परिवार का इकलौता पोता है और उसे दादी से काफी लगाव है। उसे कभी पढ़ाई के लिए डांटने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि वह खुद ही नियमित रूप से पढ़ाई करता रहता है। माता सुभाषिनी कुमारी ने भी बेटे की मेहनत और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि उसकी सफलता पूरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है।

बिहार में निगरानी की बड़ी कार्रवाई, कृषि कार्यालय का बड़ा बाबू रिश्वत लेते गिरफ्तार

शिवहर, एजेंसी। बिहार के शिवहर जिले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की मुख्यालय टीम ने जिला कृषि कार्यालय में पदस्थापित बड़ा बाबू बिजेन्द्र कुमार को 8,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस मामले में निगरानी थाना में 11।05।2026 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

दुकान के लाइसेंस के एवज में रिश्वतः माधोपुर सिंगाही, थाना पिपराही निवासी मनीषा देवी ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पटना में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि खाद एवं बीज की दुकान का लाइसेंस बनवाने के लिए वह जिला कृषि कार्यालय गई थी, लेकिन बड़ा बाबू बिजेन्द्र कुमार ने लाइसेंस जारी करने के एवज में रिश्वत की मांग की। परिवादिनी ने कहा कि उन्होंने बड़ी रकम की मांग पर आपत्ति जताई तो 8 हजार रुपये देने पर सहमति बनी।

सत्यापन के बाद ट्रैपः निगरानी ब्यूरो द्वारा शिकायत की गहन जांच की गई। सत्यापन में आरोपी द्वारा रिश्वत मांगने का प्रमाण मिलने के बाद प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक शिव कुमार साह के नेतृत्व में धावादल गठित किया गया। टीम ने पूरे मामले की निगरानी की और आरोपी को रिश्वत लेते समय पकड़ लिया।

क्या कहते हैं विजिलेंस के डीएसपीः निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के पुलिस उपाधीक्षक शिव कुमार साह ने बताया कि परिवादी मनीषा देवी की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की गई। सत्यापन में लाइसेंस जारी करने के बदले रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद कांड दर्ज कर अनुसंधान के दौरान बड़ा बाबू को उनके कार्यालय कक्ष से 8,000 रुपये रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया गया।

सरकारी काम में रिश्वत की मांगः परिवादी मनीषा देवी ने बताया कि वे केवल खाद का लाइसेंस लेने गई थीं, लेकिन अधिकारी ने बिना पैसे दिए काम न करने की बात कही। उन्होंने कहा, 'हमने उतनी बड़ी रकम देने से इनकार किया तो उन्होंने 8 हजार रुपये पर राजी हो गए।' इस घटना ने आम नागरिकों के बीच सरकारी दफ्तरों में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर फिर से आक्रोश पैदा कर दिया है।

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की कार्रवाई जारीः निगरानी टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बेटे ने पहले पिता को पांव छूकर प्रणाम किया, फिर सीने में उतार दी गोली

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा में संपत्ति के विवाद में एक कलयुगी बेटे द्वारा अपने ही पिता की गोली मारकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह दिल दहला देने वाली घटना भागन बिगहा ओपी क्षेत्र के तूफानगंज गांव की है, जिससे पूरे इलाके में कोहराम मच गया है।

आशीर्वाद लेकर की हत्याः मृतक की पहचान धर्म सिंह पासवान के 48 वर्षीय पुत्र बच्चू पासवान के रूप में की गई है। बुधवार दोपहर आरोपी पुत्र घर पहुंचा और उसने पहले अपने पिता के पैर छूकर आशीर्वाद लिया, फिर बातचीत के बहाने उन्हें सुनसान इलाके में ले जाकर सीने में गोली मार दी।

पहली पत्नी का बेटा है आरोपीः मृतक के दूसरे पुत्र जितेंद्र पासवान ने बताया कि उसके पिता बच्चू पासवान ने दो शादियां की थीं। पहली पत्नी से एक पुत्र पवन पासवान है, जिसने करीब 25 वर्ष पहले जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी, जबकि दूसरी पत्नी गुलाबी देवी से दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं।

संपत्ति बंटवारे का विवादः परिजनों का आरोप है कि संपत्ति के बंटवारे को लेकर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। बंटवारे के बाद आरोपी पवन अपने परिवार के साथ पटना के फतुहा थाना क्षेत्र के नटेर गांव में रहने लगा था, लेकिन वह इस फैसले से नाखुश था।

इस बात से था नाराजः आरोप है कि बंटवारे में आरोपी पवन पासवान को मकान मिला था, जबकि दूसरी पत्नी गुलाबी देवी के हिस्से में जमीन आई थी। पवन इसी जमीन के बंटवारे से काफी नाराज चल रहा था और इसी रंजिश के कारण उसने अपने पिता की हत्या की खौफनाक साजिश रची।

अस्पताल में तोड़ा दमः गोली की आवाज सुनकर जब तक आसपास के लोग मौके पर दौड़े, तब तक आरोपी बेटा वहां से फरार हो चुका था। घायल बच्चू पासवान को आनन-फानन में इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

10 साल की मासूम से दुष्कर्म, फिर मोबाइल का सिम कार्ड घर पर ही फेंककर आरोपी फरार

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। नगर थाना क्षेत्र में 10 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। इस जघन्य घटना के बाद लोगों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा है।

10 साल की बच्ची से दुष्कर्म : आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर आगजनी की, जबकि बड़ी संख्या में महिलाएं झाड़ू लेकर प्रदर्शन में शामिल हुईं और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पूरे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार आरोपी युवक बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर अपने साथ ले गया और फिर उसके साथ इस शर्मनाक वारदात को अंजाम दिया।

चॉकलेट का लालच देकर बच्ची को ले गया साथः घटना की जानकारी मिलते ही बच्ची के परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं स्थानीय लोगों में भी भारी आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग करने लगे।

सड़क जामकर आगजनीः घटना के विरोध में लोगों ने मुख्य सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर आगजनी की और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सड़क जाम होने के कारण यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया और वाहनों की लंबी कतार लग गई।

आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांगः कई घंटों तक लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान महिलाओं का गुस्सा सबसे ज्यादा देखने को मिला। बड़ी संख्या में महिलाएं हाथों में झाड़ू लेकर सड़क पर उतर आईं और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने लगीं। महिलाओं का कहना था कि जिले में लगातार बढ़ रहे अपराधों ने आम लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की।

मौके पर पहुंची कई थानों की पुलिसः घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस समेत कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाने और सड़क जाम खत्म कराने की कोशिश की, लेकिन आक्रोशित लोग आरोपी की गिरफ्तारी तक आंदोलन जारी रखने की बात कह रहे थे।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारीः मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी लगातार लोगों को शांत कराने में जुटे रहे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है।

पुलिस का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लोगों में डर और गुस्से का माहौलः इस घटना के बाद पूरे शहर में गुस्से और डर का माहौल है। स्थानीय लोग लगातार प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर आरोपी की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। फिलहाल पुलिस और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए हैं और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

गया में मंगलसूत्र खोने पर नवविवाहिता की हत्या

गया, एजेंसी। जिले के कोच थाना क्षेत्र के मंझियामा गांव में शादी के महज 12 दिन बाद नवविवाहिता की संदिग्ध मौत से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान परैया थाना क्षेत्र के राजपुर गांव निवासी शिव पासवान की 20 वर्षीय पुत्री गीता कुमारी के रूप में हुई है। मायके पक्ष ने पति अमित कुमार, सास-ससुर समेत अन्य ससुराल वालों पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार गीता की शादी 30 अप्रैल 2026 को हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। घटना वाली रात गीता अपने पति और परिवार के साथ इच्छापुर मेले से लौटी थी।आरोप है कि घर लौटने के बाद मंगलसूत्र खो जाने को लेकर विवाद शुरू हुआ।मायके पक्ष का कहना है कि इसी बात पर गीता के साथ मारपीट की गई और सास ने जान से मारने की धमकी दी थी। कुछ देर बाद परिवार को उसकी मौत की सूचना मिली।मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि डंडे के सहारे गला दबाकर हत्या की गई। घटना की सूचना पर पहुंचे मायके वालों ने शव को ठिकाने लगाने की तैयारी होने का भी आरोप लगाया।

संक्षिप्त समाचार

सूखे अमृत सरोवरों की प्यास बुझाने का शुरू हुआ प्रयास

लखनऊ, एजेंसी। जिले में कितने अमृत सरोवर सूखे हैं, इसका पता लगाने की कवायद शुरू हुई है। डीसी मनरेगा ने सभी ब्लॉकों से इसकी सूचना मांगी है। सर्वे रिपोर्ट आने पर सूखे तालाबों को भरवाया जाएगा। अमृत सरोवर को कैसे भरा जाए, इस बारे में भी पूछा गया है। भीषण गर्मी से जनजीवन बेहाल है। पशु-पक्षी और छुट्टा जानवर भी परेशान हैं। गांवों के तालाबों में पानी न होने से बेजुबानों की प्यास नहीं बुझ पा रही है। अमृत सरोवर भी सूखे हैं। मनरेगा के जिम्मेदारों को अब इन अमृत सरोवरों की सुध आई है। जिले में 203 अमृत सरोवर हैं। कितने अमृत सरोवर सूखे और किन सरोवर में पानी है, इसका सर्वे शुरू कराया गया है। डीसी मनरेगा सुशील कुमार सिंह ने बताया कि अमृत सरोवरों में पानी की स्थिति का पता लगाने के लिए सभी ब्लॉकों को निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही सूखे अमृत सरोवर में पानी किस माध्यम से भरवाया जाए, इसकी जानकारी भी मांगी गई है। इसमें नहर, राजकीय नलकूप और निजी नलकूप का विकल्प शामिल है। दो से तीन दिन में रिपोर्ट आने पर सूखे अमृत सरोवरों को भरवाया जाएगा।

कामकाजी महिलाओं का सुरक्षा कवच है शी-बॉक्स

लखनऊ, एजेंसी। कामकाजी महिलाओं के लिए शी-बॉक्स सुरक्षा कवच है। यह यौन उत्पीड़न की शिकायतों को दर्ज करने के लिए एक डिजिटल शिकायत पेटी है। इसमें यदि किसी कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समिति नहीं है या पीड़िता को अपनी संस्था में शिकायत करने में परेशानी हो रही है, तो वह सीधे इस पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकती है। इससे शिकायत संबंधित विभाग या संस्थान की आंतरिक समिति के पास पहुंच जाती है। मंत्रालय खुद निगरानी करता है, जिससे संस्थान शिकायत को नजरअंदाज नहीं कर पाते। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न विषय पर आधारित कार्यक्रम में नीलू त्रिवेदी ने महिलाओं को जागरूक किया। कहा कि विशाखा समिति हर कदम पर महिलाओं के सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने महिलाओं को विषम परिस्थिति में विभागीय समितियों और हेल्पलाइन नंबरों की मदद लेने की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं और छात्राओं ने स्वावलंबी बनने और अपने अधिकारों की रक्षा करने की शपथ ली। कार्यक्रम में गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति का विशेष योगदान रहा।

मानव व वन्यजीवों के बीच बढ़ते संघर्ष को कम करने पर हो काम

लखनऊ, एजेंसी। अवध वन प्रभाग की ओर से बुधवार को कुकरैल रेंज में मानव-वन्यजीव सह अस्तित्व विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। प्रभागीय वनाधिकारी सितांशु पांडेय ने बताया कि इस दौरान मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने, उनके संतुलित सह अस्तित्व को बढ़ावा देने और वन्यजीव सुरक्षा के प्रति वन विभाग के कर्मचारियों को अधिक संवेदनशील व दक्ष बनाने पर जोर दिया गया। लखनऊ चिड़ियाघर के निदेशक संजय बिस्वाल, वर्ल्ड वाइड फंड के विशेषज्ञ हसन दबीर ने अधिकारियों और कर्मचारियों को वन्यजीव संरक्षण, संघर्ष की रोकथाम और आधुनिक रेस्क्यू प्रबंधन की बारीकियों से अवगत कराया। प्रशिक्षण की खास बात वन्यजीव रेस्क्यू का व्यावहारिक प्रदर्शन रहा। अधिकारियों ने वन्यजीवों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और पर्यावरण संरक्षण में जन-भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर मौत का तांडव, ट्रक में जा घुसी स्कार्पियो, एक ही परिवार के चार की मौत

कानपुर, एजेंसी। बांदा जिले में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें एक स्कॉर्पियो गैस सिलिंडर लदे ट्रक से जा भिड़ी। हादसे में स्कॉर्पियो के चालक सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक 20 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवती को कानपुर रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि सभी मृतक और घायल आजमगढ़ के रामगढ़ के रहने वाले एक ही परिवार के सदस्य हैं, जो कबरई जा रहे थे। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक सड़क हादसे की सूचना पर जिलाधिकारी अमित आसेरी ने घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि कोतवाली देहात क्षेत्र के अंतर्गत बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर एक स्कार्पियो और ट्रक की भिड़ंत हुई है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है।

बरेली में दो दिन नो व्हीकल डे

डीएम पैदल दफ्तर जाएंगे, समाधान दिवस में ई-बस से पहुंचेंगे अफसर

बरेली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर बरेली के जनप्रतिनिधियों व अफसरों ने स्कॉर्ट में लगे वाहनों को हटा दिया है। डीएम ने सोमवार और शनिवार को नो-व्हीकल डे घोषित किया है। यानी अफसर दोनों दिन अपने वाहन का प्रयोग नहीं करेंगे। समाधान दिवस में जाने के लिए सभी जिलास्तरीय अधिकारी ई-बस का इस्तेमाल करेंगे।

पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल-डीजल, सोने और खाद्यान्न की खपत घटाने की अपील की थी। सोमवार को प्रधानमंत्री ने फिर इस अपील को दोहराया। इसका असर यह रहा कि बुधवार को जिलाधिकारी ने अपने स्कॉर्ट के दोनों वाहनों को हटा दिया। रोजाना आवास से कार्यालय पैदल आने का फैसला लिया। तय किया कि सप्ताह में दो दिन सोमवार और शनिवार को नो-व्हीकल डे मनाया जाएगा।

इस दिन अधिकारी सरकारी और निजी वाहन का इस्तेमाल नहीं करेंगे। कार्यालय या तो पैदल आएंगे या साइकिल का इस्तेमाल करेंगे। समाधान दिवस के दिन सभी अधिकारी एक ही ई-बस में संबंधित तहसील जाएंगे और वहां से उसी बस से लौटेंगे। तहसील व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक ऑनलाइन होगी। इससे डीजल की खपत कम होगी।

अब स्कॉर्ट में एक ही गाड़ी

शहर विधायक व राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि उनके स्कॉर्ट में दो गाड़ियां थीं, अब एक को हटा दिया है। अब पुलिस की एक ही गाड़ी साथ चलेगी। भागदौड़ कम करने के लिए ऑनलाइन मीटिंग को प्राथमिकता दी जाएगी।

स्कॉर्ट को हटा दिया

कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने कहा कि उनके स्कॉर्ट में एक वाहन था, जिसे हटा दिया है। अब वह अपने निजी वाहन से ही आवश्यक कार्य होने पर जाएंगे। लखनऊ में होने वाली बैठकें ऑनलाइन होंगी।

आवश्यक कार्य के लिए करेंगे वाहन का प्रयोग : सांसद

बरेली सांसद छत्रपाल गंगवार ने कहा कि वह पहले से ही एक वाहन से चल रहे हैं। प्रधानमंत्री की अपील को जनआंदोलन बनाने के लिए वह बेहद जरूरी काम के लिए वाहन का इस्तेमाल करेंगे।

50 स्कूलों ने 2012 बच्चों को नहीं दिया प्रवेश, डीएम ने लगाई फटकार, सात दिन का दिया समय

आगरा, एजेंसी। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत गरीब बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाने का सपना कागजी दांव-पेच में फंस गया है। रसूखदार स्कूल पात्रता जांचने के नाम पर न सिर्फ नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, बल्कि मासूमों को गेट से ही लौटा रहे हैं। आरटीई के तहत चयन के बावजूद 50 स्कूलों ने 2012 बच्चों को दाखिला नहीं दिया।

बुधवार को कलेक्ट्रेट में हुई समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल स्कूलों की मनमानी पर भड़क उठे। दाखिला नहीं देने वाले 50 बड़े स्कूलों की कुंडली सामने आई है। बैठक में पेश की गई इस सूची ने निजी स्कूलों की संवेदनहीनता की पोल खोल दी। कई नामी स्कूलों ने एक भी बच्चे को प्रवेश नहीं दिया।

डीएम ने कहा कि क्या ये सभी बच्चे अपात्र हैं या आपके इरादे ही नेक नहीं हैं। स्कूलों ने अधूरे कागजात और अपात्र होने के बहाने बनाए। डीएम ने कहा कि जांच करना आपका काम नहीं, आप सिर्फ प्रवेश लें। डीएम ने फटकार लगाते हुए स्पष्ट किया कि पात्रता की जांच करना स्कूल का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि लॉटरी में आवंटित बच्चे को प्रवेश देना अनिवार्य है। संदेह होने पर अभिभावक से अंडरटेकिंग लें और प्रशासन को सूचित करें। यदि गेट से किसी बच्चे को भगाने की शिकायत मिली तो स्कूल प्रबंधन सीधे कार्रवाई के लिए तैयार रहे।

जिले में कुल 8,112 आवंटन के सापेक्ष अब तक मात्र 6100 दाखिले ही हो सके हैं, यानी करीब 25 प्रतिशत गरीब बच्चे अब भी स्कूलों की दहलीज पार करने को तरस रहे हैं। डीएम ने बीएसए को निर्देशित किया कि जो स्कूल सहयोग न करें, उनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाए। बैठक में पता चला कि बिना अपनी बस वाले स्कूल निजी वाहनों के चालकों का सत्यापन और फिटनेस कराने से बच रहे हैं। डीएम ने एआरटीओ को ऐसे स्कूलों पर नकेल कसने के निर्देश दिए हैं। एक सप्ताह का समय देते हुए स्कूल प्रबंधनों से कहा कि बहानेबाजी बंद करें और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें, वरना सख्त कार्रवाई होगी। बैठक में सीडीओ प्रतिभा सिंह, बीएसए जितेंद्र कुमार गोंड और एआरटीओ आलोक अग्रवाल मौजूद रहे।

फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट में एमबीए कराएगा लविवि

लखनऊ, एजेंसी। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में एमबीए इन फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट कोर्स शुरू किया जा रहा है। कुलपति ने बुधवार को इसकी घोषणा की। दो वर्षीय इस स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में कुल 60 सीटें निर्धारित की गई हैं। यह कार्यक्रम चार सेमेस्टरों में संचालित होगा और चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर आधारित होगा।

कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों के पास बीफार्मा, बीटेक केमिकल इंजीनियरिंग, बायोटेक्नोलॉजी, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, बीएससी (केमिस्ट्री) या फिर एमएससी की डिग्री होना आवश्यक है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को अर्ह उपाधि में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त होने चाहिए, जबकि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम अंक 45 प्रतिशत निर्धारित किए गए हैं। कुलपति ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया पीजीईटी-एलयू परीक्षा के माध्यम से होगी, जिसके आवेदन पत्र विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। प्रवेश परीक्षा जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट पर आधारित होगी।

कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में यह अपनी तरह का पहला रोजगारोन्मुखी एमबीए फार्मा मैनेजमेंट पाठ्यक्रम है। इसमें फार्मास्यूटिकल इंटरनेशनल बिजनेस, फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट, फार्मास्यूटिकल ब्रांड मैनेजमेंट तथा बायोमेडिकल डिवाइसेज जैसे महत्वपूर्ण रोजगार परक विषयों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि फार्मेसी क्षेत्र में बढ़ते रोजगार अवसरों को देखते हुए एमबीए इन फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा।पाठ्यक्रम को औषधि उद्योग, भारतीय प्रबंधन संस्थानों आईआईएम, सीएसआईआर-सीआईएमएपी, सीएसआईआर-सीडीआरआई के शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों के सुझावों के आधार पर तैयार किया गया है।

कम नंबर आए तो निराश न हों, मुझे अकेला छोड़ दो कहे बच्चा तो तुरंत हो जाएं अलर्ट

आगरा, एजेंसी। योग्यता का पैमाना सिर्फ अंक नहीं है। मनमाफिक प्रतिशत न पाने वाले भी सफलता का शिखर छूते रहे हैं। ऐसे में आपके सहपाठी या मित्र से कम अंक आए हैं तो निराश होने की जरूरत नहीं है। इससे भविष्य की तैयारियां प्रभावित होने लगती हैं। जहां कमी रह गई उसे दूर कर सपने पूरे करने में लग जाएं।

परिणाम के बाद छात्र-छात्राओं के व्यवहार में बदलाव होने, भूख न लगने और उदास रहने पर मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के टेलीमानस टोल फ्री नंबर (14416) पर सहायता ली जा सकती है। यहां 24 घंटे विशेषज्ञ बैठते हैं जो किसी भी मानसिक परेशानी पर काउंसलिंग करते हैं।

मुझे अकेला छोड़ दो...कहने पर हो जाएं अलर्ट

मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के निदेशक डॉ. दिनेश राठौर ने बताया कि ज्यादा अंक सफलता की गारंटी नहीं है। अब हर जगह प्रवेश परीक्षा होने लगी है। अगर फिर भी कोई बच्चा उदास है, निराशा के भाव हैं और कहता है कि मुझसे बात मत करो, मुझे अकेला छोड़ दो। चिडचिड़ापन, भोजन न करने जैसे लक्षण हैं तो उसे नजरअंदाज न करें और उसे अकेला नहीं छोड़ें। विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श जरूर कर लें।

प्लान-बी बनाकर लोगों ने पाई है

सफलता : पूर्व सचिव आगरा साइकेट्री सोसाइटी डॉ. सागर लवानियां का कहना है कि बच्चों के बंपर नंबर मिल रहे हैं। कई ऐसे हैं, जिनको मनमाफिक या फिर अपने साथी के मुकाबले कम नंबर रह गए हैं। ऐसे में निराश होने का मतलब ही नहीं बनता। अब नंबर ही एकमात्र मेधावी होने का विकल्प नहीं हैं। कई ऐसे भी हैं जो हमेशा प्लान-बी लेकर चलते हैं। ऐसे कई छात्र-छात्राएं हैं जिन्होंने प्लान-बी बनाकर तैयारियां की और बेहतर मुकाम हासिल किया।

दूसरों के बच्चों से तुलना कर न दें ताना : एसएन मेडिकल कॉलेज विभागाध्यक्ष मानसिक रोग डॉ. विशाल सिन्हा ने बताया कि अक्सर परिजन दूसरे बच्चे के अंकों से तुलना कर ताने मारते हैं। ऐसा न करें, इससे बच्चा तनाव-अवसाद में आ सकता है। मनमाफिक अंक नहीं आने पर बच्चों के साथ समय बिताएं और उसकी सुनें। सामान्य माहौल होने पर बच्चे को समझाएं और उसे आगे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करें। उसे बताएं कि अभी और मौके हैं, निराश होने से नुकसान ही होगा।

नगर निगम और जलकल में लागू होगी एकमुश्त समाधान योजना

लखनऊ, एजेंसी। एलडीए और आवास विकास की तरह अब नगर निगम और जलकल विभाग में भी एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) आने वाली है। इसको लेकर शासन ने नगर निगम और जलकल विभाग से बकाया टैक्स की रिपोर्ट मांगी थी, जिसे शासन भेज भी दिया गया है। यदि ओटीएस योजना लागू हुई तो करीब ढाई लाख भवनस्वामियों को फायदा होगा।

नगर निगम बकाया गृहकर पर 15 प्रतिशत की दर से ब्याज लेता है। यदि टैक्स फिर भी जमा नहीं होता तो जो 15 प्रतिशत ब्याज लगता है, मूल टैक्स में जोड़कर बकाया बना दिया जाता है और नए साल में उस पर 15 प्रतिशत ब्याज लगता है। यानि यह चक्रवृद्धि ब्याज की तरह चलता है। ऐसे में जो लोग टैक्स जमा नहीं करते, उन पर ब्याज बढ़ता जाता है।

कई बार निगम कर्मचारी भी कई साल पीछे से गृहकर रिवाइज कर देते हैं। उस पर ब्याज भी उसी तरह लगा देते हैं। नगर निगम की ओर से शासन को जो रिपोर्ट भेजी गई है, उसमें कहा गया है कि नगर निगम का भवनस्वामियों पर ब्याज सहित करीब 700 करोड़ रुपये गृहकर बकाया है, जिसमें करीब 100 करोड़ रुपये ब्याज है। इसी तरह जलकल विभाग का सरचार्ज सहित 110 करोड़ रुपये जलकर व सीवर कर बकाया है।

पूरा ब्याज हो सकता है माफ

2019 में जब नगर निगम और जलकल विभाग के लिए ओटीएस योजना आई थी, उसमें ब्याज पूरा माफ किया गया था। इसके अलावा समय से जमा करने पर छूट भी दी गई थी। योजना तीन महीने के लिए आई थी। उसके बाद साल 2022 में ओटीएस योजना को लेकर शासन में कवायद शुरू हुई थी, मगर आई नहीं। ऐसे में अब योजना आने की उम्मीद ज्यादा है, क्योंकि इन दिनों एलडीए और आवास विकास में भी योजना चल रही है।

जलकल विभाग के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह ने बताया कि शासन ने रिपोर्ट मांगी थी, जो भेज दी गई है। इसी तरह नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अशोक सिंह और विनय राय ने बताया कि नगर निगम ने भी शासन को जानकारी भेज दी है।

डूब क्षेत्र में फंसी ग्रेटर आगरा योजना! 23 हेक्टेयर में नहीं होगा निर्माण, एडीए बदलेगा लेआउट

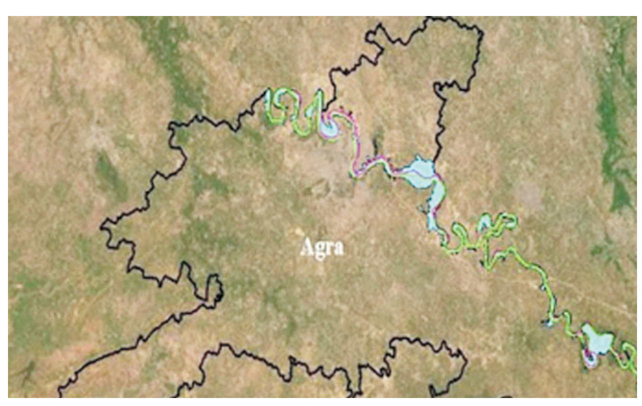

आगरा, एजेंसी। यमुना के डूब क्षेत्र में आने से ग्रेटर आगरा आवासीय योजना का 23 हेक्टेयर हिस्सा निर्माण से बाहर हो गया है। एडीए अब इस क्षेत्र को ग्रीन बेल्ट और वॉटर बॉडी के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रहा है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश पर सैटेलाइट के जरिए तय किए गए यमुना के डूब क्षेत्र में ग्रेटर आगरा का बड़ा हिस्सा आने के बाद अब आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) लीपापोती में जुट गया है। एडीए उपाध्यक्ष एम अरूनमोली का कहना है कि प्रभावित क्षेत्र में कोई भी कंक्रीट का निर्माण नहीं होगा, बल्कि पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए यहां आकर्षक वॉटर बॉडीज (जलाशय) और हरित पट्टिका (ग्रीन बेल्ट) विकसित की जाएगी।

यमुना के डूब क्षेत्र को लेकर एनजीटी सख्त है। इसी क्रम में असगरपुर से लेकर प्रयागराज तक सैटेलाइट के माध्यम से यमुना के डूब क्षेत्र के कोऑर्डिनेट्स तय किए गए थे। इन्हीं कोऑर्डिनेट्स के आधार पर इनर रिंग रोड स्थित ग्राम रायपुर और रहनकलां में विकसित हो रहे ग्रेटर आगरा का 23 हेक्टेयर क्षेत्र डूब क्षेत्र की जद में आ गया है।

एडीए उपाध्यक्ष ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि योजना के लेआउट में बदलाव कर प्रभावित 23 हेक्टेयर क्षेत्र को पूरी तरह से इको-फ्रेंडली रखा जाएगा। यहां निर्माण कार्य नहीं होंगे। इसके अलावा प्रदूषण व अन्य पर्यावरण मंजूरियां भी नहीं ली गई हैं। उपाध्यक्ष का कहना है कि विभिन्न विभागों से मंजूरियों के लिए आवेदन किए जा चुके हैं।

विधायक ने मांगी हाजिरी माफी, जेल अधीक्षक के बरी होने पर कोर्ट में बहस

कानपुर, एजेंसी। चित्रकूट जेल में मऊ से विधायक अब्बास अंसारी और उनकी पत्नी निकहत के नियम विरुद्ध मुलाकात के मामले में निलंबित जेल अधीक्षक संतोष कुमार सागर के डिस्चार्ज (मामले से बरी होने) के प्रार्थना पत्र पर भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट में तीखी बहस हुई। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के बीच चली बहस पूरी न होने के कारण अब सुनवाई 23 मई को होगी।

इस बीच अब्बास अंसारी और निकहत ने अदालत में हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र भी दिया है। मामला 10 फरवरी 2023 को तब सामने आया था जब चित्रकूट जेल में डीएम और एसपी ने छापा मारा था। इस दौरान मऊ विधायक अब्बास अंसारी की पत्नी निकहत को जेल अधीक्षक के कमरे में पाया गया था, जो कि पूरी तरह से नियम विरुद्ध था।

आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी : तलाशी के दौरान निकहत जेल अधीक्षक के कमरे से लगभग 10 घंटे बाद मिलीं। घटना ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। मामले में अब्बास अंसारी, उनकी पत्नी निकहत, चालक ललक नियाज, जेल अधीक्षक

संतोष कुमार सागर, जेलर संतोष कुमार, डिप्टी जेलर चंद्रकला, जेल कैंटीन संचालक नवनीत सचान और सपा जिलाध्यक्ष फराज खान सहित कुल आठ लोगों के खिलाफ कर्वी कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

जेल अधिकारियों को पैसा और उपहार मिलते थे

इसके बाद में विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में यह बात सामने आई कि जेल में अब्बास से पत्नी को मिलवाने के एवज में जेल अधिकारियों को पैसा और उपहार मिलते थे। इस खुलासे के बाद सभी आरोपी जेल भेजे गए थे। यह मामला मूल रूप से भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट लखनऊ में चल रहा था, लेकिन अब अब्बास से संबंधित मामले को बांदा की भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया है।

जेल अधीक्षक और जेलर चल रहे हैं निलंबित

सभी आरोपी जमानत पर बाहर हैं, जबकि जेल अधीक्षक और जेलर निलंबित चल रहे हैं। वहीं, बुधवार को बांदा की अदालत में जेल अधीक्षक संतोष कुमार सागर के अधिवक्ता ने कोर्ट में डिस्चार्ज प्रार्थना पत्र दायर किया। इस पर आरोपी पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि उनके मुवक्किल पर कोई आरोप नहीं बनता है और उन्हें फर्जी तरीके से फंसाया गया है।

जेल अधीक्षक को मामले से बरी किया जाएगा या नहीं

अपर लोक अभियोजक और शासकीय अधिवक्ता ने विरोध करते हुए कहा कि चार्जशीट न्यायालय में पेश हो चुकी है और उसमें आरोपों से संबंधित पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। अब 23 मई को डिस्चार्ज के बारे में अंतिम बहस होगी, जिसके बाद यह तय किया जाएगा कि जेल अधीक्षक को मामले से बरी किया जाएगा या नहीं।

एक युवती गंभीर रूप से घायल

प्रशासन द्वारा शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना में एक युवती गंभीर रूप से घायल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर किया गया है। प्रशासन पीड़ित परिवार के संपर्क में है और नियमानुसार हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी।

बरेली होकर एक और अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन, समय सारिणी जारी

बरेली, एजेंसी। अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी के बीच बरेली होकर एक और अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन 14 मई से शुरू हो जाएगा। रेलवे ने बुधवार को इस साप्ताहिक गाड़ी की समय सारिणी जारी कर दी।

बरेली होकर पहले से तीन जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन किया जा रहा है। इनमें दो जोड़ी गाड़ियों का ठहराव बरेली जंक्शन पर है, जबकि एक जोड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस कैंट, रामगंगा, आंवला होते हुए चलाई जा रही है।

प्रत्येक बृहस्पतिवार को अमृतसर से चलेगी

मुरादाबाद मंडल के सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि 14664 अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी अमृत भारत एक्सप्रेस 14 मई से प्रत्येक बृहस्पतिवार को अमृतसर से चलेगी। यह ट्रेन बरेली जंक्शन पर रात 10:49 बजे पहुंचेगी। 14663 न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर अमृत भारत एक्सप्रेस 16 मई से प्रत्येक शनिवार को चलेगी। यह गाड़ी बरेली जंक्शन पर दोपहर 1:47 बजे पहुंचेगी।

गाड़ी में टिकट बुकिंग खोल दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

आप नेता मनीष सिसोदिया बोले- भाजपा के सारे इंजन ठप

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 35 वर्षीय महिला के साथ

सामूहिक दुष्कर्म की दर्दनाक घटना सामने आने के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने घटना को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा पूरी तरह से भगवान भरोसे है। मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म x पर लिखा कि दिल्ली में के सारे इंजन ठप हो चुके हैं। स्कूल में बच्चियां सुरक्षित नहीं, बसों में महिलाएं सुरक्षित नहीं! दरअसल, पीतमपुरा निवासी 35 वर्षीय महिला ने पुलिस को शिकायत दी कि वह नांगलोई स्थित एक फैक्ट्री से रात में पैदल घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में एक स्लीपर बस के ड्राइवर और हेल्पर ने उसे जबरन बस के अंदर खींच लिया। आरोप है कि करीब सात किलोमीटर तक बस चलती रही और इसी दौरान महिला के साथ दुष्कर्म किया गया। रात करीब दो बजे आरोपी महिला को सड़क पर उतारकर फरार हो गए। महिला की शिकायत पर रानी बाग थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान बस चालक सुरेश (30) और हेल्पर अमन (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल बस को भी जब्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक महिला की हालत फिलहाल स्थिर है और मामले में आगे की जांच जारी है।

पिस्टल के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, पकड़ा गया तो बताया क्यों 9 माह पहले खरीदा हथियार

नईदिल्ली, एजेंसी। मयूर विहार थाना पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर को अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। बदमाश की पहचान सरफराज उर्फ राजा के रूप में हुई है। इसके खिलाफ पहले से लूट, चोरी, स्नैचिंग और आर्म्स एक्ट सहित कुल आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। बदमाश से पूछताछ कर पुलिस पता लगा रही है हथियार कहां से खरीदा था। पुलिस ने बताया कि मयूर विहार थाना पुलिस की टीम त्रिलोकपुरी के 18 ब्लॉक में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मी को एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया तो वह अचानक भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा कर कुछ ही दूरी पर उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर आरोपित के पास से एक पिस्टल बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने करीब नौ महीने पहले 7 हजार रुपये में यह हथियार खरीदा था, ताकि इलाके में दहशत बनाकर अपराध कर सके।

सीबीआई प्रमुख प्रवीण सूद का कार्यकाल एक साल बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की मोदी सरकार ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया। यह उनका दूसरा कार्यकाल विस्तार है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने चयन समिति की सिफारिश पर सूद का कार्यकाल 24 मई 2026 के बाद एक वर्ष के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। प्रवीण सूद ने 25 मई 2023 को दो वर्ष के नियमित कार्यकाल के लिए सीबीआई निदेशक का पद संभाला था। पिछले वर्ष उनका कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली चयन समिति की मंगलवार को हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल थे। बैठक के बाद राहुल गांधी ने सीबीआई निदेशक की चयन प्रक्रिया को लेकर असहमति दर्ज कराई।

'वकील हैं, अनपढ़ या नाबालिग नहीं...', दुष्कर्म के केस में जिम ट्रेनर को बेल देते हुए दिल्ली एचसी की सख्त टिप्पणी

जिम ट्रेनर पर ब्लैकमेल करने का भी आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। एक वकील से दुष्कर्म के मामले में आरोपित जिम ट्रेनर को जमानत देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि जब व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े सवालों पर निर्णय किया जाता है, तो नैतिकता को अपराध से अलग रखा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने यह टिप्पणी अभियोजन पक्ष के तर्क को सुनने के बाद की। जमानत याचिका का विरोध करते हुए अभियोजन पक्ष ने कहा कि आरोपित शादीशुदा है और उसका एक बच्चा भी है।

यह भी कहा कि आरोपित शादी के अलावा किसी और से संबंध थे और वह और पीड़िता अलग-अलग धर्मों से ताल्लुक रखते हैं। हालांकि, पीठ ने इन तर्कों को ठुकराते हुए कहा कि आरोपित नवंबर 2025 से हिरासत में है। पीठ ने आरोपित को 10 हजार रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया।

आरोपित ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(दो), 351(दो),

64(2)(एम) और 79 के तहत अपराधों के संबंध में नियमित जमानत की मांग की थी। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था कि एक जिम ट्रेनर के तौर पर काम करने वाले आरोपित की मुलाकात पीड़िता से तब हुई, जब वह उसके जिम आने लगी। आरोप है कि उसने पीड़िता को कोई नशीला पेय पिलाकर उसे एक होटल ले जाया गया। उसने न सिर्फ उसके साथ दुष्कर्म किया, बल्कि उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें खींचीं। पीड़िता ने आगे आरोप लगाया कि आरोपित ने इंटरनेट मीडिया पर उन तस्वीरों को प्रसारित करने की धमकी देकर बार-बार उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और उससे पैसे भी ऐंठे।

वहीं, आरोपित ने जमानत की मांग करते हुए तर्क दिया कि उनके बीच शारीरिक संबंध आपसी सहमति से बने थे और प्राथमिकी उनके रिश्ते में खटास आने के बाद कराई गई थी। उक्त तर्कों को साबित करने के लिए उसकी तरफ से तस्वीरें और वीडियो पेश की गईं। अदालत ने पाया कि तस्वीरों या वीडियो में से किसी में भी कोई अश्लील या आपत्तिजनक सामग्री नहीं थी। अदालत ने यह भी पाया कि ये पहली नजर में आरोपित व पीड़िता के बीच रिश्ता आपसी सहमति से बना था। अदालत ने यह भी रिकॉर्ड पर लिया कि शिकायतकर्ता एक 30 वर्षीय पेशेवर वकील है और वह पूरी तरह से जानती थी कि उसके लिए क्या अच्छा है। पीठ ने कहा कि वह कोई नाबालिग या अनपढ़ महिला नहीं थी।

रॉबर्ट वाड्रा ने खटखटाया दिल्ली एचसी का दरवाजा, भूमि सौदे में ट्रायल कोर्ट के समन को दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के शिकोहपुर में एक भूमि सौदे में अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन को उद्यमी रॉबर्ट वाड्रा ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका को बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। वाड्रा ने ट्रायल कोर्ट के 15 अप्रैल के आदेश को चुनौती दी है। वकील प्रतीक कृष्ण चड्ढा के माध्यम से दायर याचिका में रॉबर्ट वाड्रा ने दलील दी कि इसमें कोई गैर-कानूनी काम शामिल नहीं था और यह लेन-देन पूरी तरह से व्यावसायिक प्रकृति का था। वाड्रा ने अपनी याचिका में कहा कि ट्रायल कोर्ट का आदेश गलत है और इसे रद्द किया जाना चाहिए। इस मामले में जुलाई 2025 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोपपत्र दाखिल किया था और इसके बाद अदालत ने इसका संज्ञान लिया था।

अदालत ने रॉबर्ट वाड्रा को 16 मई को पेश होने का आदेश दिया है। यह पूरा मामला गुरुग्राम के शिकोहपुर में 3.53 एकड़ जमीन के एक प्लाट से जुड़ा है। ईडी ने आरोप लगाया कि राबर्ट वाड्रा की फर्म, स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने 12 फरवरी 2008 को ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से धोखाधड़ी करके यह जमीन खरीदी थी। ईडी ने राबर्ट वाड्रा को आरोपितों में से एक के रूप में नामित किया। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि जमीन अधिग्रहण में झूठे बयान दिए गए थे और दावा किया कि उनके निजी प्रभाव का इस्तेमाल करके एक व्यावसायिक लाइसेंस प्राप्त किया गया था। ईडी ने ट्रायल कोर्ट के सामने दलील दी कि जमीन के भुगतान के रूप में दिखाए गए 7.5 करोड़ का भुगतान एक चेक के माध्यम से किया गया था, जिसे कभी भुनाया नहीं गया। ईडी ने दावा किया कि बाद में इस जमीन को डीएलएफ को ज्यादा कीमत पर बेच दिया गया था। ईडी ने गत वर्ष मनी लॉन्ड्रिंग प्रिवेंशन एक्ट (पीएमएलए) के तहत इस मामले के हिस्से के रूप में लगभग 37.64 करोड़ मूल्य की 43 अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया था।

सरकार का बड़ा फैसलाः चीनी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक, बड़े संकट की आहट?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने चीनी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध 30 सितंबर 2026 तक या अगले आदेश तक जारी रहेगा। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक देश ने यह कदम देश में दाम बढ़ने से रोकने यानी घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के लिए उठाया है। भारत में इस बार गन्ने की पैदावार कमजोर पड़ गई है। जिन क्षेत्रों में गन्ने की पैदावार अच्छी होती थी, उन जगहों पर फसल खराब होने से उत्पादन लगातार दूसरे साल घरेलू खपत से कम रहने का अनुमान है। सरकार ने पहले सोचा था कि गन्ने का उत्पादन मांग से अधिक होगा, इसलिए मिलों को 15.9 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी गई थी। लेकिन, अब हालात बदल गए हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, अल नीनो प्रभाव से इस साल मानसून पर खतरा बना हुआ है। इससे अगले सीजन का उत्पादन भी अनुमान से कम रह सकता है। यही वजह है कि सरकार ने समय रहते निर्यात रोकने का फैसला लिया।

हरीश राणा की इच्छा मृत्यु के बाद परिवार का बड़ा फैसला, दिल का वॉल्व और कॉर्निया किए दान; एससी ने की सराहना

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हरीश राणा के परिवार की सराहना की, जिन्होंने उनकी इच्छा मृत्यु के बाद अंगदान किया। यह निर्णय उस समय आया जब सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद निवासी राणा के लिए जीवन समर्थन हटाने की अनुमति दी थी, जो लगभग 13

वर्षों से स्थायी रूप से चिकित्सा उपकरणों के सहारे रोग शैय्या पर थे। जस्टिस जेबी पार्डीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ को बताया गया कि राणा का निधन 24 मार्च को हुआ, जब उन्हें आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली के पैलिएटिव केयर यूनिट में स्थानांतरित किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय के 11 मार्च के निर्णय के अनुसार, उन्हें 'पैसिव यूथेनेसिया' की अनुमति दी गई थी। वहीं, सुनवाई के दौरान, राणा के परिवार के लिए उपस्थित वकील ने बताया कि उनकी मृत्यु का प्रमाणपत्र सर्वोच्च न्यायालय रजिस्ट्री में प्रस्तुत किया गया है। वकील ने यह भी बताया कि राणा के निधन के बाद उनके दिल का वॉल्व और कार्निया दान किए गए, क्योंकि ये अंग ही दान के लिए उपयुक्त पाए गए थे। 'प्रेम और करुणा' के साथ अंतिम सांस ली जस्टिस पार्डीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने सराहना व्यक्त करते हुए कहा कि अपूरणीय क्षति सहने के बावजूद, परिवार ने अंगदान के निर्णय के माध्यम से विशाल उदारता का प्रदर्शन किया।

दिल्ली के यादव नगर में गहराया जल संकट, 7 दिन से पानी के लिए तरस रहे 2000 से ज्यादा लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। यादव नगर में सप्ताभर से जलापूर्ति न होने के कारण लोग परेशान है। बढ़ रही गर्मी के बीच पानी की किल्लत से लोगों को रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा है। पाइप लाइन में दिक्कत के कारण कई ब्लाक में पानी नहीं आ रहा। जिसकी वजह से लगभग दो हजार से अधिक लोग दो बूंद पानी के लिए तरस रहे है।

यादव नगर के सी व डी-ब्लाक में लोगों के घर तक पानी नहीं पहुंच रहा। इन ब्लाक में लगभग दो मकान है। जहां 6-7 दिनों से जलापूर्ति बंद पड़ी है। जलापूर्ति न होने के कारण लोग अपने कामकाज नहीं कर पा रहे।

जलापूर्ति न होने के कारण लोगों के घरों में पीने के लिए पानी नहीं है। महिलाएं घरेलू कामकाज नहीं कर पा रही। बच्चे स्कूल जाने के लिए पानी की इंतजार करते रहते है। इसके अलावा अन्य कामकाजी लोग पानी न मिलने के कारण परेशान है। मजबूरन लोगों को मजबूरन निजी प्लांटों से पानी खरीदना पड़ रहा है।

20 लीटर पानी के लिए लोगों को 20 से 40 रुपये तक चुकाने पड़ रहे है। प्रतिदिन एक परिवार में अनुमानित 200-300 रुपये का पानी खरीदा जा रहा है। तब जाकर लोग अपने कामकाज कर पा रहे है। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी के जेई (जूनियर इंजीनियर) ने बताया कि इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली। फिर भी जांच कराई जाएगी।

जन प्रतिनिधियों की उपेक्षा करना गंभीर अपराध है। जिसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को दंडित किया जाना चाहिए। वैसे भी क्षेत्र में पानी की उपलब्धता होते हुए सिर्फ कुछ नागरिकों को पानी से वंचित करना भीषण गर्मी में किसी गंभीर अपराध से कम नहीं है। ऐसे अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। एक ओर दिल्ली की मुख्यमंत्री दिल्ली के नागरिकों को हीट वेव से बचाने के लिए व्यापक कार्य योजना बनाकर उसको क्रियान्वित करने में लगी हुई हैं, दूसरी ओर कुछ अधिकारी अपने कुकृत्यों और लापरवाही के चलते पूरी सरकार और प्रशासन को बदनाम करने में लगे हुए है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ताकि भविष्य में किसी अधिकारी को सरकार को बदनाम करने की हिम्मत न पड़े।

उषा को देखते ही मोहित हो गए थे वेंसः शादी के लिए ले लिया था बड़ा संकल्प, अमेरिकी उपराष्ट्रपति की प्रेम कहानी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कॉलेज के दौरान हुई पहली मुलाकात में ही उषा के प्रति काफी मोहित हो गए थे। यहां तक कि उन्होंने अपने दोस्तों से कह दिया था कि या तो वह इस लड़की से शादी करेंगे अथवा जीवनभर अविवाहित रहेंगे। वेंस ने खुद यह खुलासा अपनी नई किताब में किया है। अपने संस्मरण कम्युनियन : फाइंडिंग माय वे बैक टू फेथ में वेंस ने लिखा है कि वह उषा की सुंदरता, बुद्धिमत्ता और अलग अंदाज से आकर्षित हुए थे जो बाद में उनकी पत्नी बनीं। इस संस्मरण के कुछ अंश यूएसए टुडे ने प्रकाशित किए हैं। येल लॉ स्कूल में उषा बाला चिलुकुरी से मिलने वाले वेंस ने कहा कि वह पहली ऐसी व्यक्ति थीं जिनके लिए उन्होंने सच्चा प्रेम महसूस किया। यह पुस्तक अगले महीने प्रकाशित होगी। वेंस ने लिखा, जब मैं पहली बार उषा से मिला तो उनकी कई बातें मुझे असामान्य लगीं। उनमें से एक यह थी कि वह बेहद प्रतिस्पर्धी थीं लेकिन मुझे यह आकर्षक से ज्यादा अजीब लगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह ईसाई धर्म को मानने वाले व्यक्ति से नास्तिक बने और फिर कैथोलिक धर्म के प्रति रुझान बढ़ा। उन्होंने 2019 में कैथोलिक धर्म अपनाया और कहा कि इस नए विश्वास ने उन्हें वह उद्देश्य दिया जो उन्हें येल विश्वविद्यालय की शिक्षा या वित्तीय क्षेत्र में काम करने से नहीं मिला था। वेंस की पहली पुस्तक हिलबिली एलेगी है जिसमें उनके बचपन की कहानी है जो हिंसा, शराबखोरी और गरीबी से प्रभावित था। उनकी यह पुस्तक काफी पसंद की गई।

35 साल की महिला ने पति को जहर देकर माराः बच्चों के लिए किताब भी लिखी, अब अदालत से आजीवन कारावास

पार्क सिटी (यूटा), एजेंसी। अमेरिका के यूटा राज्य की एक महिला को उसके पति की हत्या के मामले में बिना पैरोल उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। बुधवार को एक जज ने यह फैसला सुनाया। महिला ने अपने पति की मौत के बाद बच्चों के लिए एक ऐसी किताब लिखी थी, जिसमें उनके पिता को खोने के दुख के बारे में बताया गया था।

कोरी रिचिन्स नाम की इस महिला को मार्च महीने में हत्या का दोषी पाया गया था। उस पर आरोप था कि उसने साल 2022 में पार्क सिटी के पास घर में अपने पति एरिक रिचिन्स के कॉकटेल ड्रिंक में फेंटेनाइल (बहुत तेज असर करने वाली दर्द कम करने की दवा) को मात्रा से पांच गुना ज्यादा मिलाकर उसे मार दिया।

जूरी ने कोरी रिचिन्स को चार अन्य गंभीर अपराधों में भी दोषी माना। इनमें बीमा धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाना और हत्या की कोशिश जैसे मामले शामिल हैं। आरोप था कि उसने वैलेंटाइन डे से कुछ हफ्ते पहले भी अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर जहर देने की

कोशिश की थी। बचाव पक्ष ने कहा है कि वह इस फैसले और सजा के खिलाफ अपील करेगा।

जज रिचर्ड मराजी ने सजा सुनाते समय कहा, जो व्यक्ति ऐसे अपराध करता है, वह कभी भी आजाद रहने के लायक नहीं है। जिस दिन सजा सुनाई गई, उसी दिन एरिक रिचिन्स का 44वां जन्मदिन था। सरकारी वकीलों ने कहा कि 35 साल की कोरी रिचिन्स रियल एस्टेट का काम करती थी और घर खरीदकर बेचने का कारोबार भी करती थी। उस पर करोड़ों रुपये का कर्ज था और वह किसी दूसरे आदमी के साथ नया जीवन शुरू करने की योजना बना रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि उसने अपने पति की जानकारी के बिना उनके नाम पर कई जीवन बीमा पॉलिसी खुलवाई थीं। उसे यह गलतफहमी थी कि पति की मौत के बाद उसे 40 लाख डॉलर से ज्यादा की संपत्ति मिल जाएगी। कोरी रिचिन्स जेल की हरे रंग की वर्दी पहनकर अदालत में खड़ी हुई और अपने बेटों से (जो अदालत में मौजूद नहीं थे) कहा- कृपया मुझसे उम्मीद मत छोड़ना। कोरी रिचिन्स को कई दशक से लेकर पूरी जिंदगी तक जेल में रहना पड़ सकता है। वह लगातार खुद को निर्दोष बताती रही है। बुधवार को भी उसने कहा कि अदालत का फैसला 'पूरी तरह झूठ' है। जूरी ने उसे चार अन्य अपराधों में भी दोषी पाया। इनमें वैलेंटाइन डे के समय अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर मारने की कोशिश का मामला भी शामिल था।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना और लड़ाकों के बीच मुठभेड़, मेजर समेत पांच सैनिकों की मौत

कराची, एजेंसी। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना ने एक बड़े संयुक्त अभियान में सात लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के एक मेजर समेत पांच सैनिकों की भी मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बुधवार देर रात जारी बयान में दी। सेना के बयान में कहा गया कि अभियान के दौरान सात लड़ाके मारे गए। हालांकि इस दौरान एक फील्ड ऑफिसर यानी मेजर समेत पांच सैनिकों की भी जान चली गई। मारे गए सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। कार्रवाई के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया। इस दौरान लड़ाकों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया गया

है। सेना ने कहा कि इलाके में बाकी लड़ाकों की तलाश के लिए अभियान अभी जारी है। बलूचिस्तान में इस साल सुरक्षा बलों ने कई बड़े अभियान चलाए हैं। मार्च में हरनाई और बसीमा जिलों में हुए ऑपरेशन में 15 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था, जबकि फरवरी में झोब जिले में 10 लड़ाके मारे गए थे। दरअसल, बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा और उग्रवाद से प्रभावित रहा है। यहां सक्रिय सशस्त्र समूह अक्सर सुरक्षा बलों और सरकारी ढांचे को निशाना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार कई हमलों के लिए बलूच लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराती रही है।

मोदी जैसा कोई नहीं: पीएम के मुरीद हुए नॉर्वे के पूर्व पर्यावरण मंत्री सोल्हेम

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के पूर्व मंत्री और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख एरिक सोल्हेम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनके नेतृत्व और पर्यावरण संबंधी दृष्टिकोण के लिए जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश में कोई भी नेता अपने देश में मोदी जितना लोकप्रिय नहीं है। पश्चिमी नेताओं को उनके हरित संदेश से बहुत कुछ सीखने को है। सोल्हेम का यह बयान पीएम मोदी के 18-19 मई को नॉर्वे के दौरे से पहले आया है। नॉर्वे के एक अखबार में छपे लेख में सोल्हेम ने पीएम मोदी की लोकप्रियता, आर्थिक सुधारों और हरित विकास पर उनके जोर का जिक्र करते हुए, उन्हें एक ऐसा परिवर्तनकारी नेता बताया जो वैश्विक मंच पर भारत के उदय को गति दे रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पश्चिमी नेता मोदी के हरित संदेश से बहुत कुछ सीख सकते हैं। नॉर्डिक प्रधानमंत्रियों को भारतीय नेता के साथ अपनी बैठक के दौरान उन्हें ध्यान से सुनना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख ने विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास पर प्रधानमंत्री मोदी के जोर की सराहना की और उन्हें हरित विकास का गारंटर बताया। मोदी दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक पीएम मोदी की राजनीतिक हैसियत की तारीफ करते हुए सोल्हेम

ने लिखा, भारतीय प्रधानमंत्री की अप्रूवल रेटिंग लगभग 70 प्रतिशत है और वह दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक बने हुए हैं। लेख में पीएम मोदी की गुजरात के वडनगर से हुई शुरुआत पर चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि एक साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकलकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने तक का उनका सफर उन्हें असाधारण बनाता है और उन्हें एक स्व-निर्मित नेता के रूप में वर्णित किया गया है। सोल्हेम ने लिखा, भारतीय अर्थव्यवस्था अब सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है जो चीन से अधिक और किसी भी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्था से कहीं ऊपर है। यदि मौजूदा विकास के रुझान जारी रहते हैं तो 2050 तक भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है।

पूर्व मंत्री ने भारत के राजनीतिक और वैचारिक विकास पर कहा कि हिंदू राष्ट्रवाद भारतीय राजनीति में एक निर्णायक शक्ति बन गया है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और वर्ग की सीमाओं से परे जाकर समर्थन जुटाया है। पार्टी ने भारत में कुछ ऐसा हासिल किया है जो पूरी तरह से अनोखा और नया है। भाजपा को सभी का समान समर्थन हासिल है। भारत से घनिष्ठ संपर्कों से नॉर्वे को बहुत कुछ हासिल होगा : सोल्हेम के अनुसार, मोदी ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक मेल किया है। नॉर्वे और भारत के बीच मजबूत संबंधों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के साथ घनिष्ठ जुड़ाव दोनों पक्षों के लिए अनगिनत जीत के अवसर पैदा करेगा।

संपादकीय | प्रवेश परीक्षाओं में बार-बार गड़बड़ियां चिंताजनक

देश भर में हर साल लाखों विद्यार्थी इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। मगर उनकी उम्मीदें तब धुंधली पड़ जाती हैं, जब परीक्षा में अनियमितता की बातें सामने आती हैं या फिर पर्चाफोड़ की वजह से परीक्षा को रद्द कर दिया जाता है। इस बार भी मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी-2026' में पर्चाफोड़ के गंभीर आरोप लगे हैं, जिस कारण राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) ने तीन मई को आयोजित परीक्षा को रद्द कर दिया है। साथ ही इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई है।

सवाल है कि इस तरह की प्रवेश परीक्षाओं में बार-बार गड़बड़ियों के मामले सामने क्यों आ रहे हैं? एनटीए का दावा है कि प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उसे संबंधित परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में पूरी गोपनीयता बरती जाती है और जरूरी सुरक्षा मानदंडों का भी कड़ाई से पालन किया जाता है, फिर क्या वजह है कि परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र चुनिंदा विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है! आखिर एनटीए और जांच एजंसियां उस सिरे को क्यों नहीं ढूंढ पा रही हैं, जिसकी वजह से इस तरह की गड़बड़ियों का सिलसिला जारी है।

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है, जब एनटीए की ओर से आयोजित की जाने वाली किसी प्रवेश परीक्षा में गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं। वर्ष 2024 में नीट की परीक्षा देने वाले कुछ अभ्यर्थियों ने शिकायत की थी कि उन्हें दूसरी भाषा के प्रश्नपत्र दिए गए।

इसके बाद एनटीए की ओर से क्षतिपूर्ति के तौर पर प्रभावित परीक्षार्थियों को दिए गए कृपांक को लेकर भी गंभीर सवाल उठे थे। इससे पहले वर्ष

2021 में भी कुछ छात्रों को गलत प्रश्नपत्र दिए जाने और कई केंद्रों पर परीक्षा में अनुचित साधनों के उपयोग की शिकायतों से विवाद हुआ था। सरकार ने वर्ष 2018 में एनटीए की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षाएं आयोजित करना है, जिनमें नीट, जेईई, यूजीसी और नेट भी शामिल हैं।

दरअसल, प्रवेश परीक्षाओं की प्रक्रिया को पारदर्शी, कुशल और निष्पक्ष बनाना एनटीए की बुनियादी प्राथमिकता है। मगर, इनमें जिस तरह से एक के बाद एक विसंगतियां सामने आ रही हैं, उससे इस एजंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। नीट यूजी 2026 परीक्षा में करीब 23 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे।

एनटीए का दावा है कि इस परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने में पूरी गोपनीयता बरती गई और इन्हें 'जीपीएस-ट्रैकिंग' वाले वाहनों में ले जाया गया था। परीक्षा केंद्रों की निगरानी एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से एआइ-सहायता प्राप्त सीसीटीवी के माध्यम से की गई थी। सुरक्षा के इन तमाम प्रबंधों के बावजूद अगर प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही कुछ विद्यार्थियों तक पहुंच जाता है, तो यह वास्तव में बहुत ही गंभीर मसला है।

जाहिर है कि परीक्षा के आयोजन से संबंधित संस्था और अन्य संगठनों की पर्चाफोड़ माफिया से मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं हो सकता। सरकार को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि विद्यार्थी इन परीक्षाओं के लिए कितनी मेहनत करते हैं, महंगी कोचिंग के लिए कई परिवार तो अपनी जमीन गिरवी रख देते हैं, तो कोई बैंक से कर्ज लेता है। इसलिए जरूरी है कि प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो।

हिमाचल के युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय

शांतिप्रिय राज्य की छवि वाले हिमाचल प्रदेश में अब युवाओं के बीच नशे की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। नशीले पदार्थों का जाल न केवल शहरी, बल्कि ग्रामीण इलाकों तक फैल गया है। एक खास तरह का नशीला पदार्थ, जिसे स्थानीय भाषा में चिट्टा कहा जाता है, उसकी लत युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रही है। दरअसल, जम्मू और पंजाब की सीमाओं से सटे होने के कारण हिमाचल में नशीले पदार्थों की तस्करी का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। जांच एजंसियों के तमाम दावों के बावजूद नशे के इस तंत्र पर रोक नहीं लग पा रही है। अब प्रदेश सरकार ने गंभीरता दिखाते हुए सरकारी नौकरी के लिए युवाओं का 'एंटी चिट्टा टेस्ट' अनिवार्य कर दिया है। साथ ही मेडिकल और इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों की भी हर वर्ष ऐसी ही जांच कराई जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि सरकार के इस कदम से युवाओं को नशे से दूर रखने में कुछ हद तक मदद मिल सकती है। हिमाचल सरकार ने एक जून से शिक्षा संस्थानों में चिट्टा के खिलाफ जागरूकता अभियान शुरू करने का फैसला भी किया है। मगर यह तभी सार्थक होगा, जब अभिभावकों को भी इससे जोड़ा जाएगा। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में खेती और घरेलू कार्यों की व्यस्तता की वजह से माता-पिता अपने बच्चों पर ज्यादा नहीं दे पाते हैं और उन्हें नशीले पदार्थों की तस्करी की भी कम ही जानकारी होती है। ऐसे में किशोरों और युवाओं के साथ-साथ अभिभावकों को भी जागरूक करने की जरूरत है, ताकि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रख सकें और उन्हें नशे के दलदल में उतरने से रोक सकें। इसके अलावा राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ अभियान से जुड़ने वाले अधिकारियों की वार्षिक रपट में भी इस कार्य का उल्लेख करने की बात कही है। यह वास्तव में एक व्यावहारिक पहल है। इसमें दोराय नहीं कि राज्य सरकार सतही उपायों के बजाय धरातल पर काम करने का प्रयास कर रही है, लेकिन उसे राज्य में शिक्षित युवाओं को रोजगार देने की दिशा में भी व्यापक स्तर पर कदम उठाने होंगे, क्योंकि नशे का सेवन करने वालों में छात्रों और बेरोजगार युवाओं की तादाद अधिक है।

आज का कार्टून

वैश्विक संकट के बीच सबसे बड़े कूटनीतिक मिशन पर हैं मोदी

विश्व राजनीति में होगा बड़ा उलटफेर?

यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री इटली जाएंगे। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ उनकी बैठकें भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगी। दोनों देश 2025 से 2029 तक की संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रहे हैं। व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग इसके प्रमुख क्षेत्र हैं। इटली ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से अलग होकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को समर्थन दिया है, जिससे दोनों देशों की सामरिक निकटता बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया जा रहा है। इटली भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के प्रयासों का भी समर्थन करता रहा है। वहां रह रहा भारतीय समुदाय दोनों देशों के संबंधों को सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है।

नीरज कुमार दुबे

वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति शृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है।

इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति शृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है। हाल के वर्षों में भारत ने विश्व मंच पर एक भरोसेमंद और संतुलित शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यही कारण है कि यूरोप और पश्चिम एशिया के देश भारत को भविष्य के आर्थिक और सामरिक साझेदार के रूप में देख रहे हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात से करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग, निवेश, डिजिटल भुगतान, रक्षा और भारतीय समुदाय के कल्याण जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा बीते पच्चीस वर्षों में भारत में निवेश करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने व्यापार को नई गति दी है। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी संयुक्त अरब अमीरात भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है। इसके अलावा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा दोनों देशों की सामरिक निकटता को और अधिक मजबूत बना रहा है। वहां रह रहे लाखों भारतीय दोनों देशों के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों की मजबूत कड़ी हैं।

संयुक्त अरब अमीरात के बाद प्रधानमंत्री नीदरलैंड जाएंगे। यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बीच बढ़ते आर्थिक तथा प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा देगी। प्रधानमंत्री वहां के राजा विलेम अलेक्जेंडर, महारानी माक्सिमा और प्रधानमंत्री रोब येटन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, सेमीकंडक्टर और नवाचार जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ रहा है। नीदरलैंड यूरोप में भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत में बड़े निवेशकों में शामिल है। जल प्रबंधन और कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नीदरलैंड की विशेषज्ञता भारत के लिए अत्यंत

उपयोगी मानी जाती है। दोनों देश मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में भी एक समान दृष्टिकोण रखते हैं।

मोदी की स्वीडन की यात्रा भारत और नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ते सहयोग को और मजबूत बनाएगी। प्रधानमंत्री गोथेनबर्ग में स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन से वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, हरित परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। हम आपको बता दें कि स्वीडन की अनेक प्रमुख कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और दोनों देशों के बीच नवाचार आधारित साझेदारी तेजी से विकसित हो रही है। भारत और स्वीडन लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में समान सोच रखते हैं। हरित औद्योगिक परिवर्तन और जलवायु संरक्षण के लिए दोनों देशों का सहयोग वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी इसके बाद नॉर्वे जाएंगे, जहां वह तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नॉर्वे की पहली यात्रा होगी और पिछले तैंतालीस वर्षों में भारत से वहां होने वाली पहली प्रधानमंत्री स्तरीय यात्रा भी मानी जा रही है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्तोरे के साथ होने वाली वार्ता में व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और समुद्री अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर रहेगा। भारत और नार्वे के संबंध समुद्री सहयोग, हरित ऊर्जा और सतत विकास पर आधारित हैं। भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति मिलने की संभावना है। नॉर्वे का विशाल पेंशन कोष भारतीय पूंजी बाजार में महत्वपूर्ण निवेश कर चुका है। आर्कटिक क्षेत्र, हरित जहाजरानी और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन में दोनों देशों का सहयोग भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष होगा। इसमें नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के शीर्ष नेता शामिल होंगे। यह मंच भारत और नॉर्डिक देशों के बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष, सतत विकास और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई रणनीतिक दिशा देगा। वैश्विक आपूर्ति शृंखला को मजबूत बनाने और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में यह सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री इटली जाएंगे। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ उनकी बैठकें भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगी। दोनों देश 2025 से 2029 तक की संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रहे हैं। व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग इसके प्रमुख क्षेत्र हैं। इटली ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से अलग होकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को समर्थन दिया है, जिससे दोनों देशों की सामरिक निकटता बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया जा रहा है। इटली भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के प्रयासों का भी समर्थन करता रहा है। वहां रह रहा भारतीय समुदाय दोनों देशों के संबंधों को सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है।

इस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह विदेश यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का प्रतीक भी है। यह यात्रा भारत को ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी सहयोग, हरित विकास, रक्षा साझेदारी और वैश्विक व्यापार के नए अवसर प्रदान करेगी। साथ ही यह संदेश भी देगी कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख और विश्वसनीय केंद्र बनकर उभर रहा है।

अब घुसपैठ से मुक्त होगा पश्चिम बंगाल...

पश्चिम बंगाल में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार के तौर पर शुभेन्दु अधिकारी ने शासन की बागडोर संभाल ली है। भाजपा का यह स्पष्ट नारा रहा है कि वह विदेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करेगी। इसलिए पश्चिम बंगाल के जनादेश में इस पर अब जनता की मुहर भी लग गई है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर अपने शासन का संचालन किया। इसमें बांग्लादेश के घुसपैठियों का भी समर्थन भी शामिल रहा।

सुरेश हिंदुस्तानी

अब भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय हो चुका है कि अब पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश से लगी हुई सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित होंगी और एक बड़ी समस्या से छुटकारा भी मिलेगा। इससे यह भी आशय निकलता है कि सबका साथ और सबका विकास वाली राजनीतिक अवधारणा को स्वीकार किया जाने लगा है। देश में इसी प्रकार की राजनीति की आवश्यकता है। क्योंकि राजनीतिक दलों ने आज देश में रहने वाले समाज के बीच इतना भेद पैदा कर दिया है कि कई जगह समाज बंधु एक दूसरे के दुश्मन बन गए हैं। हिन्दू और मुसलमान समाज के ही हिस्से हैं, इसलिए इनको अलग अलग देखने की राजनीति नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत देश के कुछ राजनीतिक दलों का आधार ही मुस्लिम वोट हैं। जबकि यह भी सही है कि तुष्टिकरण से किसी का भला न तो हुआ है और न ही होगा। लम्बे समय से पश्चिम बंगाल में जनसंख्या का अप्रत्याशित रूप से बढ़ना कई प्रकार के सवाल खड़ा करता रहा है। इसके पीछे बांग्लादेश से आए घुसपैठिए भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से बंगाल ही नहीं, असम भी प्रभावित है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विपक्षी राजनीतिक दलों को यह समस्या दिखाई नहीं देती। असम और पश्चिम बंगाल

की जनता इस घुसपैठ के विरोध में खड़ी हो गई है, इसलिए इस बार का जनादेश भी बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरोध में आया। इसी के चलते असम में भाजपा सरकार का पुनः बनना और पश्चिम बंगाल में एक नए राजनीतिक उदय के साथ सत्तारूढ़ होना इसी बात का परिचायक है कि भाजपा ही नहीं, जनता भी देश से घुसपैठियों को निकालने का मन बना चुकी है। सुनने में यह भी आ रहा है जो बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल में घुसपैठ करके आए, वे अपने देश वापस जाने का मानस बना चुके हैं। इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि अब पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से मुक्त हो जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में प्रारंभ से ही इस बात पर जोर दिया था कि वह विदेशी घुसपैठियों के खिलाफ है। भाजपा के नेताओं के भाषण भी इसी पर केंद्रित रहते थे। इस मुद्दे पर भाजपा को जनता का भी समर्थन मिला और जनता ने भाजपा को बहुमत दे दिया। इसके अलावा ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने जो कार्य किए, वह कहीं न कहीं हिन्दू समाज को नीचा दिखाने वाले ही थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के नेता शायद इस बात को भूल गए कि बहुसंख्यक समाज को नकारने की राजनीति एक प्रकार से उसके लिए सत्ता से अलग होने की तस्वीर पेश कर सकती है। पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से बहुत प्रभावित हुए हैं। यहां पर अप्रत्याशित रूप से ज़मीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। कई जगह अचानक ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बनते जा रहे हैं। जिनमें मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर और मालदा आदि है। यह तीनों जिले बांग्लादेश की सीमा से लगे हुए हैं। इसके चलते बंगाल में अपराध भी बहुत होने लगे हैं। इसका कारण यही माना जा रहा है कि जो व्यक्ति घुसपैठ करके आए हैं, उनके सामने रोजगार का संकट है। जब रोजगार नहीं मिलेगा तो स्वाभाविक रूप से व्यक्ति गलत कार्य भी करने लगता है। इससे की दशा और दिशा भी ख़राब हो रही है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रास्ते कई बांग्लादेशी नागरिक घुसपैठ करते रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की मदद से वे सभी अपने आशियाने भी बना रहे थे, इनके ज्यादातर आशियाने अवैध कब्ज़ा करके ही बने हैं। तृणमूल कांग्रेस की सरकार के समय इनको पर्याप्त संरक्षण भी मिला। उल्लेखनीय है जिन क्षेत्रों में मुस्लिमों की जनसंख्या अचानक बढ़ी है, वे सभी तृणमूल कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्र रहे हैं। इन क्षेत्रों में हिन्दू समाज का कोई भी व्यक्ति जाने से डरता है। सवाल यह है कि यह डर किसने पैदा किया और इसको संरक्षण देने वाले कौन हैं। तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राह पर चलते हुए इनको ताकत देने का काम किया। और यही उसकी हार का कारण भी बना।

अब पश्चिम बंगाल का राजनीतिक दृश्य परिवर्तित हो चुका है। जिन्होंने लम्बे समय तक अमानुषिक अत्याचार सहन किए, वे सत्ता में आ चुके हैं, लेकिन भाजपा को यह सत्ता ऐसे ही नही मिल गई। उसके सैकड़ों कार्यकर्ता का बलिदान इस जीत के नींव के पत्थर बने। चुनाव के बाद शुभेन्दु अधिकारी के निजी सहायक देवनाथ की हत्या इसका ताजा उदाहरण है। जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह कार्य प्रशिक्षित अपराधियों ने किया। संभावना इस बात की भी है कि घटना के बाद ये बांग्लादेश भाग चुके हैं। इसे राजनीतिक हत्या के तौर पर भी देखा जा रहा है और इसके आरोप तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर लग रहे हैं।

घुसपैठियों की समस्या से त्रस्त पश्चिम बंगाल में सरकार बदलने के बाद विदेशी घुसपैठिओं के चेहरे उतरने लगे हैं, क्योंकि अब इन विदेशी घुसपैठियों को सहन नहीं किया जाएगा। अब उनको बाहर जाना ही होगा। भाजपा की सरकार ही इनको बाहर निकलेगी। देश के गृह मंत्री अमित शाह इसकी चेतावनी पहले से ही देते रहे हैं। यहां यह कहना भी उचित होगा कि भाजपा ने केवल घुसपैठियों को बाहर निकालने की ही बात की है, भारत के मुसलमानों की नहीं, लेकिन विपक्ष और खासकर तृणमूल कांग्रेस ने ऐसा भ्रम फैलाने का प्रयास किया कि सारे मुस्लिमों पर इसका प्रभाव होगा। विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालना सभी चाहते हैं, विपक्ष को इस मुद्दे पर भाजपा का साथ देना चाहिए, क्योंकि यह राष्ट्रीय हित की बात है।

लाजियो को 2-0 से हराकर इंटर मिलान ने

10वीं बार जीता कोप्पा इटालिया का खिताब

रोम । इंटर मिलान ने लाजियो पर 2-0 से जीत के साथ अपना दसवां कोप्पा इटालिया फुटबॉल खिताब जीता। इस जीत के साथ ही इंटर मिलान ने इस सीजन का ऐतिहासिक 'डोमेस्टिक डबल' पूरा किया। इंटर मिलान ने इसी साल मई में तीन मुकाबले बाकी रहते हुए 21वां सीरी ए के खिताब को अपने नाम किया था। टीम के लिए पहला गोल मार्कस थुरम ने किया। फेडेरिको डिमार्को के कॉर्नर पर मार्कस थुरम का शानदार हेडर लाजियो के खिलाड़ी एडम मारुसिक से टकराकर गोल पोस्ट में चला गया। इसके बाद मैच के 35वें मिनट में इंटर मिलान ने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। पेनल्टी बॉक्स से दिए गए डेनजेल डमफ्रीज के शानदार पास को लुटारो मार्टिनेज ने खाली पड़े गोल पोस्ट में पहुंचाया।

डेपोर्टिवो अलावेस ने एफसी बार्सिलोना को 1-0 से हराया

मैड्रिड । ला लीगा का खिताब अपने नाम करने वाली एफसी बार्सिलोना को डेपोर्टिवो अलावेस के खिलाफ टूर्नामेंट में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। रला लीगा का खिताब जीतने का जश्न मनाने का असर इस मुकाबले में बार्सिलोना के प्रदर्शन में साफतौर पर नजर आया। टीम मैच में संघर्ष करती हुई नजर आई। मैच का एकमात्र गोल पहले हाफ के आखिरी प्ले में इब्राहिम डायबेट ने किया। अलावेस के स्ट्राइकर ने एरिया के अंदर लेऑफ का फायदा उठाते हुए गोलकीपर स्जेसनी को छकाते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। इस जीत के साथ ही अलावेस अब सबसे निचले स्थान पर मौजूद तीन टीमों की लिस्ट से ऊपर उठ गई है। रिलेगेशन जोन से बाहर निकलने के लिए प्वाइंट्स जुटाने की कोशिश में लगी मेजबान टीम धीरे-धीरे मैच में अपनी पकड़ बनाई। गोलकीपर स्जेसनी को लगातार बचाव करने पड़े, लेकिन पहले हाफ की आखिरी किक को वो गोल पोस्ट के अंदर जाने से नहीं रोक सके।

कोहली ने पाकिस्तानी खिलाड़ी साहिबजादा फरहान समेत 4 बैटर का यह रिकॉर्ड तोड़ा

ध्वस्त किया गेल का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। विराट कोहली ने आईपीएल 2026 के 57वें मैच में केकेआर के खिलाफ गजब की पारी खेली और शतक (नाबाद 105 रन) लगाया।

केकेआर के खिलाफ पहले दो मैचों में डक पर आउट होने वाले कोहली ने क्या गजब की वापसी की और अपने आईपीएल करियर का 9वां शतक लगा दिया। यही नहीं ये कोहली को टी20 क्रिकेट करियर का 10वां शतक भी रहा। कोहली ने इस शतकीय पारी के दम पर पाकिस्तानी खिलाड़ी साहिबजादा फरहान समेत 4 बैटर्स का यह रिकॉर्ड तोड़ा जबकि क्रिस गेल के वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया।

टी20 क्रिकेट में 14,000 रन भी पूरे किए

कोहली ने केकेआर के खिलाफ अपनी नाबाद 105 रन की पारी के दौरान टी20 क्रिकेट में 14,000 रन भी पूरे किए। वो अब टी20 प्रारूप में सबसे कम पारियों में 14 हजार रन बनाने वाले बैटर बने। उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने ये कमाल 423 पारियों में किया था जबकि कोहली ने ऐसा सिर्फ 409 पारियों में किया।

कोहली ने डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली जिन्होंने टी20 में 10 शतक लगाए थे

कोहली ने केकेआर के खिलाफ जो शतक लगाया ये उनके टी20 करियर का 10वां शतक रहा। उन्होंने साहिबजादा फरहान, अभिषेक शर्मा, क्विंटन डिकॉक और रिली रोसो को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने टी20 क्रिकेट में अब तक 9-9 शतक लगाए हैं। कोहली ने डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली जिन्होंने टी20 में 10 शतक लगाए थे और इस प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में वॉर्नर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर आ गए।

सबसे कम पारियों में 14 हजार रन

- 409 पारी - विराट कोहली
- 431 पारी - डेविड वॉर्नर
- 505 पारी - एलेक्स हेल्स
- 423 पारी - क्रिस गेल
- 468 पारी - जोस बटलर
- 633 पारी - कीरोन पोलार्ड

कोहली ने रोहित की कर ली बराबरी

केकेआर के खिलाफ नाबाद 105 रन की पारी खेलने वाले कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आईपीएल में ये उनका 21वां प्लेयर ऑफ द मैच खिताब रहा और उन्होंने रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। इस लीग में वो अब रोहित के साथ सबसे ज्यादा बार ये खिताब जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। दूसरे नंबर पर एमएस धोनी हैं।

सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच खिताब जीतने वाले भारतीय

21 - विराट कोहली
21 - रोहित शर्मा
18 - एमएस धोनी
17 - रवींद्र जडेजा
17 - केएल राहुल
16 - यूसुफ पठान

आईपीएल में 9वें शतक के साथ विराट कोहली ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

आईपीएल 2026 के 57वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 6 विकेट से हराया। आरसीबी की इस जीत के नायक विराट कोहली रहे, जिन्होंने 105 रनों की नाबाद पारी खेली। कोहली ने अपनी इस शतकीय पारी के साथ रिकॉर्ड्स की झड़ी लगाई। कोहली ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 60 गेंदों की अपनी पारी में 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 11 चौके और 3 छक्के लगाए। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 59 गेंदों में 92 रनों की अहम साझेदारी निभाई। आईपीएल में यह कोहली का 9वां शतक है। विराट ने केकेआर के खिलाफ यह आईपीएल में दूसरा शतक लगाया।

कोहली ने इस लीग में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में जोस बटलर की बराबरी कर ली है। बटलर ने केकेआर और आरसीबी के खिलाफ दो-दो शतक लगाए हैं। आईपीएल में रनों का पीछा करते हुए विराट कोहली संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। चेज करते हुए विराट ने यह तीसरा शतक लगाया। कोहली के अलावा यह कारनामा सिर्फ जोस बटलर ही कर सके हैं। विराट टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। कोहली के बल्ले से टी20 क्रिकेट में यह 10वां शतक निकला। विराट आईपीएल में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

इटैलियन ओपन

कोको गॉफ ने मिरा एंड्रीवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

रोम । अमेरिका की कोको गॉफ ने रूस की मिरा एंड्रीवा को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी कोको गॉफ को नंबर 8 सीड एंड्रीवा के खिलाफ तीसरे सेट में लगभग 5-1, दो-ब्रेक की बढ़त के साथ, 4-6, 0-2, 6-4 से जीत हासिल करने के लिए पांच मैच पॉइंट्स की जरूरत पड़ी। एंड्रीवा ने पहले सेट में 3-1 की बढ़त बनाई और कई बार इसे अच्छे से संभाला। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के मुताबिक, पहले सेट में, एंड्रीवा ने 10 विनर और सिर्फ सात अनफोर्स्ड एरर के साथ खत्म किया, और गॉफ के लिए इसका उल्टा हुआ। गॉफ ने 3-0 की बढ़त बनाई, एक ब्रेक लिया, और दूसरे सेट में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। एंड्रीवा ने दूसरे सेट में 11 अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे गॉफ ने डिसाइडर सेट के लिए मजबूर कर दिया। शुरू में ऐसा लगा कि गॉफ 5-1 की बढ़त के साथ डबल ब्रेक लेकर जीत जाएंगी। गॉफ ने दूसरे सेट से ही मोमेंटम बनाए रखा था और एंड्रीवा की गलतियों का फायदा उठाया। कोको गॉफ का सेमीफाइनल मुकाबला सोराना सिर्स्टिया से होगा। इस सीजन में गॉफ का रोमानियाई सिर्स्टिया से तीसरा मुकाबला लगातार दूसरे टूर्नामेंट में होगा। अमेरिकी खिलाड़ी अपने 15वें 1000-लेवल डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

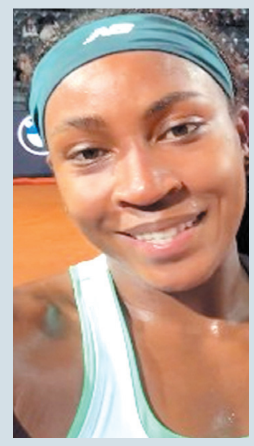

36 साल के मनीष पांडे ने पकड़ा हैरतअंगेज कैच

- **विराट कोहली ने खास अंदाज में की सराहना**

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 57वें मैच में आरसीबी और केकेआर के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिली। इस मैच में 36 वर्षीय मनीष पांडे ने पॉइंट पर टिम डेविड का ऐसा हैरतअंगेज कैच पकड़ा जिसे देख हर कोई हैरान था। गेंदबाज को खुद भरोसा नहीं था कि ऐसा कैच हो गया। बल्लेबाज, डगआउट में बैठे खिलाड़ी और नॉन स्ट्राइकिंग एंड पर खड़े विराट कोहली भी इस कैच से हैरान थे। विराट ने खास अंदाज में इसकी सराहना भी की।

यह वाकिया था आरसीबी की पारी के 18वें ओवर का जब गेंदबाजी कार्तिक शर्मा कर रहे थे और टिम डेविड

बल्लेबाज थे। डेविड ने कट करने का प्रयास किया और पॉइंट पर खड़े मनीष पांडे ने अपनी बाईं ओर किसी पक्षी की तरह उड़ते हुए छलांग लगाई और एक हाथ से हैरतअंगेज कैच पकड़ लिया। इसके बाद रिप्ले में दिखाया गया कि विराट कोहली ने खास अंदाज में उन्हें सराहा। विराट कोहली और मनीष पांडे कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जो 2008 से लगातार आईपीएल का हिस्सा हैं। यही कारण है कि दोनों की दोस्ती और आपस में सम्मान का नजारा इस मैच में देखने को मिला। मनीष के शानदार कैच के बाद विराट कोहली ने उन्हें सराहा और हाथ मिलाते हुए औपचारिक तौर पर गले भी लगाया। सोशल मीडिया पर आग की तरह मनीष के कैच का वीडियो फैल गया और लोगों ने जमकर तारीफ की।

आरसीबी बनी नंबर एक टीम- इस मैच में आरसीबी ने केकेआर को 6 विकेट से हराकर अंकतालिका में नंबर 1 पोजिशन पर कब्जा किया और प्लेऑफ की दावेदारी को मजबूत कर लिया।

'हम किसी खास स्टाइल की क्रिकेट नहीं खेलते'

- **एसआरएच को हराने के बाद बोले जीटी कप्तान शुभमन गिल**

अहमदाबाद । आईपीएल 2026 में मंगलवार को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 82 रन से हराने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल काफी खुश नजर आए। जीटी की लगातार पांचवीं जीत थी और इस जीत के साथ टीम अंकतालिका में पहले स्थान पर चली गई है। जीटी कप्तान ने जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया। मैच के बाद शुभमन गिल ने कहा, 'हमें पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर मुश्किल होने वाला था। हमने बहुत अच्छी गेंदबाजी

की। हमने मैच से पहले गेंदबाजी को लेकर योजना बनाई थी और उसे पूरी तरह कार्यान्वित करने में सफल रहे। हम पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।' साई सुदर्शन और वाशिंगटन सुंदर की तारीफ करते हुए गिल ने कहा, 'मुझे लगता है कि दोनों ने शानदार बल्लेबाजी की। उनके बिना 170 तक पहुंचना मुश्किल था।' अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंचने पर गिल ने कहा, 'यह सब लगातार अच्छा खेलने की वजह से संभव हो सका। हम उस तरह की टीम नहीं हैं जो किसी खास स्टाइल या ब्रांड का क्रिकेट खेलती हो। हम ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो विकेट को देखे, कंडीशन का अंदाजा लगाए और उसके मुताबिक खेले।'

रियल बेटिस ने एल्चे पर जीत के साथ

चैंपियंस लीग में जगह बनाई

मैड्रिड । रियल बेटिस ने अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में अपनी जगह बना ली है। बेटिस ने एल्चे पर 2-1 से जीत के साथ ही ला लीगा में पांचवां स्थान हासिल करते हुए अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में जगह बनाई है। बेटिस के लिए पाब्लो फोर्नल्स ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने नौवें मिनट में कुचो हर्नांडेज को पहला गोल करने का मौका दिया और फिर 68वें मिनट में पेनल्टी एरिया के बाहर से एक शानदार कर्लिंग शॉट से विजयी गोल किया। एल्चे ने 41वें मिनट में हेक्टर फोर्ट के जरिए बराबरी कर ली, लेकिन उनकी वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा जब लियो पेट्रोट को एंटनी पर देर से चुनौती देने के लिए सीधे रेड कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया गया। इस नतीजे से बेटिस का 21 साल में पहली बार चैंपियंस लीग में खेलना पक्का हो गया।

वहीं, सेल्टा विगो की उम्मीदें लेवांटे से 3-2 से हार के साथ खत्म हो गईं। लेवांटे सेल्टा विगो पर जीत के बाद बॉटम थ्री से बाहर आ गया। सेल्टा के लिए फेरान जुटग्ला ने चौथे और 48वें मिनट में गोल किए, लेकिन केर्विन अरियागा और एड्रियन डे ला फुएंते ने दो बार बराबरी की, इससे पहले रोजर ब्रुग ने गोल किया जो लेवांटे के रेलीगेशन की लड़ाई में अहम साबित हो सकता था। एडेमोला लुकमैन और अलेक्जेंडर सोरलोथ ने गोल करके एटलेटिको मैड्रिड को ओसासुना के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। ओसासुना को 37वें मिनट में विंगर राउल मोरो को चोट के कारण खोना पड़ा, जबकि एटलेटिको मैड्रिड 79वें मिनट में 10 खिलाड़ियों तक सिमट गया जब मार्कोस लोरेंटे को दूसरा येलो कार्ड दिखाया गया।

एशियाई खेलों से पहले बड़ा विवाद

नंबर-1 शूटर जोरावर संधू भारतीय टीम से बाहर

नई दिल्ली। एशिया में नंबर एक और विश्व रैंकिंग में छठे नंबर के ट्रैप निशानेबाज जोरावर सिंह संधू को इस वर्ष के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारत की संभावित शॉटगन टीम में शामिल नहीं किया गया है। यह तब है जब वह देश के शीर्ष ट्रैप निशानेबाजों में से एक हैं और उन्होंने पिछले वर्ष विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप और घरेलू चयन ट्रायल के दौरान जोरावर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। विश्व चैंपियनशिप और विश्व कप फाइनल्स की तैयारी में व्यस्त होने के बावजूद उनके लिए इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना अनिवार्य था। राष्ट्रीय ट्रायल्स में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण उन्हें एशियाई खेलों के लिए संभावित टीम में जगह नहीं मिली है। वह एक महीने पहले तक विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर थे।

जोरावर ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) से अपने फैसले पर फिर से विचार करने का आग्रह किया है। उन्होंने तर्क दिया है कि पिछले छह महीनों में भारतीय ट्रैप निशानेबाजों में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ स्कोर हासिल किया है। एनआरएआई ने हालांकि स्पष्ट किया है कि वह डेढ़ साल पहले लागू की गई चयन नीति का सख्ती से पालन करेगा।NRAI महासचिव पवन कुमार सिंह ने कहा कि पुरुषों की संभावित ट्रैप टीम में बदलाव होने की संभावना नहीं है। इस टीम में कीनान चेनाई, अहवर रिजवी और शपथ भारद्वाज शामिल हैं। ये सभी 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे।

47 वर्षीय जोरावर पिछले साल अक्टूबर में एथेंस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर ट्रैप शूटिंग में पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय निशानेबाज बने थे।

उन्होंने विश्व कप फाइनल्स में भी पदक दौर तक जगह बनाई, लेकिन आखिर में सातवें स्थान पर रहे। जोरावर के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई ने लिखा, एनआरएआई को टीम के चयन पर फिर से विचार करना चाहिए, लेकिन उनका फैसला जो भी होगा उसे मुझे स्वीकार करना होगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेल: alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670